अनुक्रमणिका

अ

अवधि

निरोध की 408

आदेश की प्रकृति का.....19

अन्त:कालीन व्यादेश के लिए न्यायालय की अधिकारिता का 223

उच्च न्यायालय की क्षेत्रीय अधिकारिता का 252

सार्वजनिक न्यास या प्राइवेट न्यास का..... 470

डिक्री की प्रकृति का 11

न्यायालय की अधिकारिता का..... 220

न्यायालय के अन्तर्निहित शक्ति का.....752

अवधारणा

वास्तविक कृषक की..... 416

अवैधता

विक्रय की 364

अन्तिम डिक्री

में विरोधी पक्षकार की हाजिरी 1104

अकृतता

कपट द्वारा प्राप्त निर्णय की 95

घोषित करने वाला पूर्ववर्ती विनिश्चय, पूर्वन्याय के रूप में प्रवर्तित नहीं किया जा सकता है.....157

असंयोजन या कुसंयोजन

के बारे में आक्षेप.....764

अस्थाई व्यादेश

का दिया जाना..... 740

अक्षमता

अधिकारिता की 796

अप्राधिकृत व्यक्ति

न्यायालय को संबोधित नहीं कर सकेंगे 695

अंतिम डिक्री

संबंधी कार्यवाही..... 403

अंतिम निपटारे

के लिए समन निकाले जाने पर प्रतिवादी को यह निदेश होगा कि वह अपने साक्षियों को पेश करे.....844

अंतरण

वाद का स्थगन एवं मामले का 76

कुटुम्ब वाद का 274

विवाह विच्छेद मामले का 274

मामले का 271

अंतरिम आवेदन पत्र

पर न्यायालय द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध अपील.....609

अर्जी

की कालावधि 1083

अर्जन

की वैधता.....61

अग्रिम अपील

का वर्जन.....586

अग्रिम कार्यवाही

को रोका जाना.....74

अतिलंघन

व्यापार चिन्ह का..... 245

अतिरिक्त विवाद्यक
की विरचना 509
अतिरिक्त वाद
का वर्जन 210
अतिरिक्त लिखित कथन
को प्रस्तुत करना 1058
अधिरोपण
सह भागीदार के ऊपर ब्याज का 420
खर्चे का 67
शिक्षात्मक खर्चे का 327
अधिवक्ता
का वापस लिया जाना 839
द्वारा की गयी रियायत 839
की फर्म एवं अभिभाषक का दायित्व 830
एवं उसके कक्षीकार के मध्य का सम्बंध 835
व्यक्ति द्वारा प्रतिनिधित्व 836
का निर्धारण 835
का परिवर्तन 698
की उपसंजाति 1120
द्वारा शपथपत्र 836
द्वारा आवेदन का सत्यापन 522
दोहरी भूमिका नहीं कर सकता है 835
अधिवक्तागण
के विधिक अधिकार 834
अधिकार
वाद संस्थित करने का 471
का हटाया जाना 228
केवियट दायर करने का 728
सुने जाने का 799
सिविल प्रकृति के वाद में न्यायालय का 55
अधिकार —क्रमशः
डिक्री धारक का 368
निष्पादन स्थानान्तरण पर न्यायालय का 339
अधिकारिता
राजस्व न्यायालय की 56
रेलवे के विरुद्ध प्रतिकर के लिए दावात्तसिविल न्यायालय की 65
वाद अन्तरण की 241
वाद हेतुक का उद्‌भव एवं सुनवाई की 230
अधिनिर्णय को अपास्त करने के लिए याचिका को ग्रहण करने की 220
अन्तरित डिक्री का निष्पादन एवं न्यायालय की 261
अपील में उच्च न्यायालय की 509
उच्च न्यायालय की 654
का उल्लेख संविदा में है 240
की अक्षमता 796
के प्रयोग के लिए विधि के सारवान प्रश्न की विद्यमानता 570
के बारे में आक्षेप 253
सम्बन्धी प्रश्न पर हस्तक्षेप 737
सिविल न्यायालय की 31
डिक्री का निष्पादन न्यायालय की 336
निष्पादन न्यायालय की 334
न्यायालयों की 232
पुनरीक्षण की 640
अधिनिर्णय
को अपास्त करने के लिए अभिवचन की स्थिरता 461
को अपास्त करने के लिए याचिका को ग्रहण करने की अधिकारिता 220

अधिनिर्णय —क्रमश:
धनीय डिक्री पर ब्याज का..... 318
मुआवजे का..... 681
अधिनियमों
का संशोधन.....758
अधिमान्यता
संलग्न दस्तावेज की.....656
अनिवार्य
नोटिस का भेजा जाना.....446
अभिलेख पर लाना
विधिक प्रतिनिधियों को.....798
अभिवचन
पर परिसीमा अवधि का प्रभाव नहीं..... 917
एवं साक्ष्य में अन्तर..... 941
का अभाव-प्रभाव..... 941
का सत्यापन.....867
का हस्ताक्षरित किया जाना.....866
का प्ररूप.....864
को संक्षिप्त होना चाहिए..... 921
को साक्ष्य द्वारा समर्थित होना चाहिए.....925
की साक्ष्यिक स्वीकृति.....1043
के साक्ष्य का वर्णन नहीं किया जाना चाहिए.....926
स्पष्ट होना चाहिए.....923
विवाह-विच्छेद के लिए याचिका.....952
बचाव के लिए आवेदन-पत्र पक्षपात का.....702
में तात्विक तथ्यों का, न कि साक्ष्य का, कथन होगा.....864
अभिवचनों
का काट दिया जाना..... 918
का संशोधन.....904
अभिवचनों —क्रमश:
का सत्यापन.....943
का निकाल दिया जाना.....929
अभिवाक
प्रत्युत्तरदाता का.....217
अभिव्यक्त एवं विवक्षित स्वीकृति
के बीच अन्त.....1065
अभिव्यक्ति
गुणागुण के आधार पर राय की.....117
अभिकर्ता
तामील का प्रतिग्रहण करेगा.....827
की नियुक्ति 830
पर तामील जिसके द्वारा प्रतिवादी कारबार करता है.....847
अभिग्रहण
निवास-गृह में सम्पत्ति का.....427
अभिधान
विदेशी शासकों का वादों के पक्षकारों के रूप में.....456
अभिमुक्ति किया जाना
सरकार को नोटिस से.....448
अभियोजन
वादकालीन अंतरिती का.....803
प्रोबेट के लिए कार्यवाही रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी के.....804
तीसरे पक्षकार का.....804
पक्षकारों का.....799
अर्थव्याप्ति
कृषक पद की 415
अर्थ
विशेष विधि की व्यावृत्ति का.....25
पद कार्यवाही का.....281
मध्यस्थता का 460

अधीक्षण
की शक्ति..... 278
अधीनस्थ न्यायालयों
की भाषा 711
अन्वेषण
की आवश्यकता 564
अनादरण
की नोटिस 1031
अनभिज्ञता
का तर्क.....1053
अनुसरण
प्रक्रिया का.....497
अनुज्ञा
अपील में अतिरिक्त साक्ष्य की..... 596
खैराती न्यास की संपत्तियों के व्ययन हेतु 469
बचाव करने की 706
अनुज्ञप्ति
का निरसन 565
अनुज्ञेयतार
पूर्व न्यायत्त्मामले की पुनःपरीक्षा 210
अनुज्ञेयता
पुनर्विलोकन की.....627
अनुप्रमाणन
वकालतनामा का.....702
अनुतोष
का सृजन 503
का हकदार कौन? 770
का विनिर्दिष्ट रूप से कथन 956
का मूल्यांकन..... 219
की मांग करने वाली याचिका का एक से अधिक व्यक्तियों के द्वारा दाखिल किया जाना 802
घोषणा का..... 60
पर वाद लाने का लोप..... 822
अनुबंध
की शर्तों का पालन न किया जानात्त्प्रभाव 967
अनुमान
न्यायालय द्वारा 566
पर आधारित अपील.....487
अनुमोदन
नियमों का 704
अनुमति
आक्षेप की.....255
अनुमति नहीं
एक ही पक्षकारों के बीच पूर्ववर्ती रिट याचिका में किया गया विनिश्चय को पुनः उठाने की 189
अनेक प्रतिवादियों
पर तामील..... 846
अन्त:कालीन लाभ
के अनुतोष का लोप 942
अन्त:कालीन व्यादेश
के लिए न्यायालय की अधिकारिता का अवधारण..... 223
अन्तर
धारा 11 एवं आदेश 23 नियम 1 (3) में.....149
अन्तराभिवाची वाद
कहां संस्थित किया जा सकेगा 457
अन्तरण
वाद का.....731
कारबार का.....731
के आधारों का उल्लेख आवश्यक नहीं 280
किसी अन्य राज्य के न्यायालय को डिक्री का 336
डिक्री का.....335
मामले का 222

अन्तरण और प्रत्याहरण
की साधारण शक्ति 266
अन्तरित डिक्री
का निष्पादन एवं न्यायालय की अधिकारिता 261
के निष्पादन में न्यायालय की शक्तियाँ ..... (337
अन्तरिम आदेश
का रिक्त होना 477
अन्तर्निहित शक्ति
का विस्तार 729
न्यायहित संरक्षण के लिए 737
अन्तर्निहित शक्तियों
का प्रयोग 220
अन्तर्निहित अधिकारिता
का अभाव-प्रभाव 222
अन्य वाद
वहाँ संस्थित किए जा सकेंगे जहाँ प्रतिवादी निवास करते हैं या वाद-हेतुक पैदा होता है 228
अन्य व्यक्तियों
को छूट 708
अन्य संक्रमण
सेवायत द्वारा देवता की सम्पत्ति का 467
कुर्क की गयी सम्पत्ति का 429
अन्य न्यायालय
की अधिकारिता के भीतर निवास करता है वहां समन की तामील 849
अपवर्जन
करार में ''केवल'' या ''एक-मात्र'' शब्द का प्रयोग किए जाने पर ही अधिकारिता का 250
अपसाहण
क्षेत्राधिकार का 248
अपास्त किया जाना
एक पक्षीय डिक्री का 508
पुनर्विलोकन की कोटि में नहीं आता 618
अपमिश्रण
की उपधारणा 222
अपील
एक डिक्री के विरुद्ध एक 142
एक पक्षीय आदेश के विरुद्ध 499
वाद खर्चे के लिए 328
अंतरिम आवेदन पत्र पर न्यायालय द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध 609
का संक्षिप्ततः खारिज किया जाना 496
कौन संस्थित कर सकता है? 496
की इजाजत 489
की पोषणीयता 606
के वर्तमान अधिकार की व्यावृत्ति 758
के चरण पर संशोधन 934
सहमति डिक्री के विरुद्ध 489
संस्थित करने का अधिकार 500
संस्थित करने की आवश्यकता 608
संक्षेपतः खारिज की जाती है वहां डिक्री या आदेश का संशोधन करने की शक्ति 755
प्रस्तुत करने में विलम्ब-प्रभाव 567
जहाँ प्रारम्भिक डिक्री की अपील नहीं की गई है वहाँ अन्तिम डिक्री की 516
तथ्य के निष्कर्ष में हस्तक्षेप 515
धन डिक्री के विरुद्ध 509
न्यायालय की शक्तियां 610

अपील —क्रमशः

मूल डिक्री के विरुद्ध 487
में अतिरिक्त साक्ष्य की अनुज्ञा..... 596
में उच्च न्यायालय की अधिकारिता..... 509
में संशोधन की विधिमान्यता.....591
में विलम्ब-पोषणीयता.....615
फेडरल न्यायालयों की 616

अपील नहीं

पूर्व-न्याय के प्रश्न का प्रारंभिक विवाद्यक के रूप में विनिश्चय करने से इंकार करने वाले आदेश के विरुद्ध.....177

अपील न्यायालय

की शक्तियाँ.....347

अपीलार्थी

के रूप में प्रत्यर्थी का पक्षान्तरण करना 804

अपीलों

का वर्जन 616

अपीली डिक्रियों

की अपीलों में प्रक्रिया 616

अपीलीय आदेश

के विरुद्ध दाखिल किया गया पुनरीक्षण.....676

अपीलीय अधिकार

पक्षकार का.....520

अपीलीय अधिकारिता

का प्रयोग.....588

अपीलीय होना

डिक्री का 509

अपीलीय डिक्री

के विरुद्ध चुनौती.....376

अपीलीय न्यायालय

की शक्तिया.....506

अपर्याप्त आधारों

पर गिरफ्तारी, कुर्की या ब्यादेश अभिप्राप्त करने के लिए प्रतिकर.....478

अभाव

अन्तर्निहित अधिकारिता का 222
नोटिस का.....57

आ

आशय

पक्षकारों का.....244

आरम्भिक सिविल अधिकारिता

में उच्च न्यायालयों को उपबन्धों का लागू न होना.....696

आरोपण

खर्च का.....320
दूसरी संविदा का 315
ब्याज का.....74

आरम्भ किया जाना

वाद का फिर से..... 627

आवश्यक

विचारण न्यायालय द्वारा सम्पूर्ण साक्ष्य का परीक्षण 600
निरोध के कारणों का अभिलिखित किया जाना.....349
नोटिस में सभी विशिष्ट बातों का उल्लेख किया जाना.....447

आवश्यक तत्व

मानहानि के वाद में हेतुक 225

आवश्यक नहीं

अन्तरण के आधारों का उल्लेख..... 280

आवश्यक पक्षकार

को अभियोजित करने की आवश्यकता 23

आवश्यकता

आवश्यक पक्षकार को अभियोजित करने की..... 23

अन्वेषण की 564

अपील संस्थित करने की.....608

सूचना देने की..... 333

प्रतिवाद रक्षा करने के लिए इजाजत की.....469

आवेदन

लम्बित हक सम्बन्धी वाद के विनिश्चय तक बेदखली के लिए वाद के रोके जाने के लिए 76

प्रत्यास्थापन के लिए..... 715

किस न्यायालय में 265

आवेदन पत्र

का निस्तारण 470

न्यायालय में किराये के निक्षेप के लिए 715

खर्च के अधित्यजन के लिए 322

आह्वान

शपथकर्ता का..... 287

आक्षेप

असंयोजन या कुसंयोजन के बारे में 764

अधिकारिता के बारे में.....253

की अनुमति 255

विषय-वस्तु पर विचार करने की अधिकारिता पर..... 220

विधिक प्रतिनिधि द्वारा.....255

तथ्यों के निष्कर्ष पर द्वितीय अपील में.....587

आचरण

की विशिष्टियों का संशोधित किया जाना.....883

आदेश

कुर्की का.....419

का स्थगन.....668

को प्रत्याहृत करना 333

की प्रकृति का अवधारण 19

के विरुद्ध अपील.....9

के पश्चात संशोधन करने में असफल रहना 868

निष्पादित करने योग्य 330

मामले का प्रतिप्रेषण कर का.....615

मूल याचिका का..... 285

आदेशों

का चालू रहना..... 758

को लागू होना 330

आदेशों और सूचनाओं

का लिखित होना.....715

आदेशिका

तामील कराने वाले सेवक 862

आधार

एक न्यायालय से मामले को दूसरे न्यायालय में अंतरित करने का 280

सारवान साक्ष्य की उपेक्षा अपील का 601

विषय-वस्तु में भिन्नता-वाद स्थगित न किए जाने का 69

पुनर्विलोकन का 626

पूर्न न्याय वादपत्र को खारिज करने का 210

आधारित नहीं

वादों का अन्तरण सन्देह पर 271

आन्वयिक प्राङ्न्याय

का सिद्धान्त.....152

आपत्ति

निष्पादन के सन्दर्भ में 376

आबद्धीकरण
स्कीम डिक्री का.....767
औचित्य
तथ्य के निष्कर्ष में हस्तक्षेप का.....556
आयोग
साक्षी की परीक्षा हेतु.....434
आयुक्त रिपोर्ट
की विधिमान्यता.....658

इ

इजाजत
अपील की.....489

ई

ईसा
निष्पादन कार्यवाहियों में प्रतिकर में वृद्धि की.....381

उ

उल्लेख
निर्णय के कारणों का.....501
अधिकारिता का.....240
उद्देश्य
नोटिस का.....445
उच्च न्यायालय
का स्वविवेकाधिका.....659
को निर्देश.....618
की शक्ति.....276
की अधिकारिता.....654
की अन्तरण की शक्ति.....282
की अन्तर्निहित शक्तियों का प्रयोग.....738
की क्षेत्रीय अधिकारिता का अवधारण.....252
के अधिकार की परिसीमा.....563
उच्च न्यायालय—क्रमश:
द्वारा साक्ष्य का पुनर्मूल्यांकन.....583
द्वारा प्रतिप्रेषण का आदेश एक ही मुकदमेबाजी के अंतर्वर्ती प्रक्रम पर निकाला गया निष्कर्ष है.....167
द्वारा डिक्री की पुष्टि.....380
उच्चतर न्यायालय
में वाद का संस्थित किया जाना.....218
में अपीलें कब होंग.....616
उत्तरदायित्व
का प्रश्न.....498
विधिक प्रतिनिधि का.....421
उचित पक्षकार
के अभाव में अपील त्रुटिपूर्ण.....788
उपशमन
का आदेश एवं न्यायालय की शक्ति.....745
उपसंजात होना
कई वादियों या प्रतिवादियों में से एक का अन्यों के लिए.....763
उपधारणा
अपमिश्रण की.....222
उपधारणा कर सकेगा का निर्वचन.....834
का लाभ.....487
विदेशी निर्णयों के बारे में.....216
उपपत्ति
का विपर्यण.....566
में हस्तक्षेप नहीं.....602
उपपत्तियों
में हस्तक्षेप.....669
उपेक्षा
एवं निष्क्रियता का दोषारोपण.....503

ए

एक पक्षीय आदेश
का पारित किया जाना.....1049
के विरुद्ध अपील.....499
एक पक्षीय डिक्री
अपास्त किया जाना.....860
या वाद की खारिजी को अपास्त करने के लिए आवेदन.....1078
एकात्मक सम्बन्ध
वाद बिन्दु का.....150

क

कुर्की
का आदेश कब संधारणीय नहीं?.....401
का आदेश.....419
के पश्चात् सम्पत्ति का अन्यसंक्रामण.....367
के पश्चात् सम्पत्ति के प्राइवेट अन्य संक्रामण का शून्य होना.....428
से छुटकारा या उन्मुक्ति.....26
से छूट.....420
सम्पत्ति की.....429
मोटर ट्रैक्टर की.....424
की गयी सम्पत्ति का अन्य संक्रामण.....429
कुसंयोजन
और असंयोजन.....762
के बारे में आक्षेप.....807
कुटुम्ब वाद
का अंतरण.....274
कृषक
पद की अर्थव्याप्ति.....415
कृषि उपकरण नहीं
मोटर-ट्रैक्टर सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत.....414
कृषि-उपज
को भागतः छूट.....427
करार
खुली भूमि को विक्रय करने का.....364
द्वारा क्षेत्राधिकार का प्रदान किया जाना.....244
क्षेत्राधिकार को हटाने का.....248
निर्योग्यता के अधीन.....726
में ''केवल'' या ''एकमात्र'' शब्द का प्रयोग किए जाने पर ही अधिकारिता का अपवर्जन मान्य माना जाएगा.....250
कई वादियों
में से एक या अधिक की गैरहाजिरी की दशा में प्रक्रिया.....1072
कारागार
में प्रतिवादी पर तामील.....851
कारीगर
के औजारों को कुर्की विक्रय से छूट.....416
कारबार
का अन्तरण.....731
किराया
एवं बेदखली का वाद.....811
किरायेदार
की बेदखली का वाद.....587
के विरुद्ध एक पक्षीय आदेश-प्रभाव.....647
कटु आलोचना
न्यायिक अधिकारी के विरुद्ध.....752

कोई भी डिक्री
विरोधी पक्षकार को सूचना के बिना अपास्त नही की जायेगी 1074
कार्यवाही
वैध प्रतिनिधियों के विरुद्ध.....390
के कारण का जन्म.....244
के भिन्न कारण.....818
विधिक प्रतिनिधि का अधिकार एवं 725
न्यायालयों की.....195
भूमि के अतिचारी के विरुद्ध.....379
कार्यवाहियां
प्रतिनिधियों द्वारा या उनके विरुद्ध.....724
कार्य
लोक न्यूसेंस और लोक पर प्रभाव डालने वाले अन्य दोषपूर्ण.....462
कतिपय मामलों
में आगे द्वितीय अपील का न होना.....602
में आगे पील का न होना.....584
कर्तव्य
कैवियट एवं न्यायालय का 727
न्यायालय का 370
कनाडा
से बच्चों को अनाधिकृत रूप से हटाया जाना.....216
कपट
द्वारा अभिप्राप्त निर्णय और डिक्री 289
द्वारा प्राप्त निर्णय की अकृतता 95
कब्जा
का प्रत्युद्धरण.....468
की वापसी का दावा.....510
के लिए वाद.....1065
हेतु एक किराएदार द्वारा प्रस्तुत किया गया एक वाद 58
कब्जे
का हकदार.....999
का पुनर्स्थापन.....720
की प्राप्ति 570
की पुनर्प्राप्ति 365
के लिए निर्णीत ऋणी द्वारा वाद.....366
कमी
ब्याज दर में.....308
कमीशन
अन्य न्यायालय को 433
जारी करने के लिए आवेदनपत्र को नामंजूर करने के आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण 680
विदेशी न्यायालयों द्वारा निकाले गए 434
निकालने की न्यायालय की शक्ति.....433
कम्पनी अधिनियम
की प्रयोज्यता.....334
केवियट
दायर करने का अधिकार.....728
केन्द्र सरकार
की शक्ति.....456
कैवियट एवं न्यायालय
का कर्तव्य.....727

ख

खर्च
का आरोपण.....320
का संदाय.....322
का दण्डादेश.....321
के अधित्यजन के लिए आवेदनपत्र.....322
खर्चे
का अधिरोपण.....67
के संदाय न किए जाने का प्रभाव.....365

खर्चा
विलम्ब कारित करने के लिए 327
खर्चों
का दिलाया जाना....328
के अभिनिश्चय के पूर्व डिक्री का निष्पादन 695
खारिज किया जाना
द्वितीय अपील का 583
खुली भूमि
को विक्रय करने का करार....364
खंड न्यायपीठ
के निर्णयों का निदेश 520
खोई हुई
परक्राम्य लिखतों के आधार पर वाद 960
खैराती न्यास
की संपत्तियों के व्ययन हेतु अनुज्ञा 469

ग

गलत वादी
के नाम से वाद 762
ग्राह्यता
प्रोबेट की....216
विदेशी निर्णय की....215
विलेख की....500
गठन
कुछ राज्यों में नियम-समितियों का....703
प्रतिकूल कब्जा का....54
गिरफ्तार
किया जाने वाला व्यक्ति या कुर्क की जाने वाली सम्पत्ति जिले से बाहर है वहाँ प्रक्रिया 710
गिरफ्तारी
और स्वीय उपसंजाति से छूट....450
डिक्री का निष्पादन निर्णीत ऋणी की 405
डिक्री के निष्पादन में की जाने से अन्यथा....708
गुणागुण
के आधार पर राय की अभिव्यक्ति एव पूर्व न्याय....117
गैर अभियोजन
के कारण वाद का खारिज किया जाना 1124

घ

घोषणा
एवं कब्जे के लिए वाद 801
का अनुतोष....60
घोषित किया जाना
निर्णय का शून्य....379

च

चालू रहना
निरसित अधिनियमितियों के अधीन आदेशों का....758
चुनाव याचिका
का निरस्तीकरण....1092
चुनौती
वाद-बिन्दु को 609
अपीलीय डिक्री के विरुद्ध....376
प्रत्यावर्तन आदेश को....565

छ

छूट
अन्य व्यक्तियों को 708
कुर्की से....420

छूट ---क्रमशः

कुछ स्त्रियों को स्वीय उपसंजाति से.....708
कृषि-उपज को भागतः.....427
कारीगर के औजारों को कुर्की विक्रय से.....416
विधायी निकायों के सदस्यों को सिविल आदेशिका के अधीन गिरफ्तार किए जाने और निरुद्ध किए जाने से.....709
सिविल आदेशिका के अधीन गिरफ्तारी से.....709
गिरफ्तारी और स्वीय उपसंजाति से.....450
ब्याज से.....316

छोड़ा जाना

रुग्णता के आधार पर.....408

ज

जहां प्रतिदावा

सफल होता है वहां प्रतिवादी को अनुतोष.....1037

जोड़ा जाना

पक्षकार का.....801

जन्म

कार्यवाही के कारण का.....244

ट

ट्रिब्यूनल अवार्ड

'निर्णय', 'डिक्री' अथवा आदेश नहीं.....14

ड

डिक्री

के निष्पादन का स्थगन.....140
का अन्तरण.....335
का अपीलीय होना.....509

डिक्री ---क्रमशः

का सुधारा जाना.....627
का ज्ञान होने के 30 दिन के अन्तर्गत प्रस्तुत किया गया आवेदन मियाद के अन्दर होगा.....4
का निरस्तीकरण.....17
का निष्पादन करने वाला न्यायालय करेगा.....345
का निष्पादन कब आबद्धकर नहीं.....376
का निष्पादन निर्णीत ऋणी की गिरफ्तारी.....405
का निष्पादन न्यायालय की अधिकारिता.....336
का तात्पर्य.....9
की प्रवर्तनीयता.....497
की प्रकृति का अवधारण.....11
की तिथि.....500
कब पारित नहीं की जा सकती है.....795
के विरुद्ध एक अपील.....142
के निष्पादन की शक्ति का प्रयोग.....330
के निष्पादन हेतु आवेदन की समय सीमा.....387
के निष्पादन में विधिक प्रतिनिधि का दायित्व.....391
गलती या अनियमितता के कारण जिससे गुणागुण या अधिकारिता पर प्रभाव नहीं पड़ता है.....520
विक्रय विलेख के निष्पादन के लिए.....364
विदेशी न्यायालय की.....326
निषेधात्मक व्यादेश की.....726
पारित करने वाले न्यायालय की परिभाषा.....330

डिक्री ---क्रमशः

में संशोधन-सुधार.............................. 953

में परिवर्तन नहीं.................................310

डिक्री धारक

का अधिकार......................................368

डिक्रीत-रकम

की अदायगी न होने के कारण निर्णीत-ऋणी की गिरफ्तारी की जानी तथा उसे सिविल कारावास से दण्डादिष्ट किया जाना 352

डी0 आर0 टी0

की क्षेत्रीय अधिकारितात्पर सि0 प्र0 सं0 का लागू होना 223

त

तर्क

की बाधा 819

तंग

करने वाली याचिका........................... 973

तथ्य एवं विधि

का मिश्रित प्रश्न 148

तथ्य

को दबाकर अभिप्राप्त डिक्री 795

के निष्कर्ष के संबंध में द्वितीय अपील में किसी प्रकार का हस्तक्षेप अपेक्षित नहीं है.............. 571

के निष्कर्ष में हस्तक्षेप का औचित्य....... 556

के निष्कर्ष..516

तथ्यों

के निष्कर्ष पर द्वितीय अपील में आक्षेप 587

तथ्य-विवाद्यकों

का अवधारण करने की उच्च न्यायालय की शक्ति........................603

तदन्तर निषेधाज्ञा

आदेश एवं पूर्व निर्णय.........................129

तात्पर्य

वाद का.. 136

डिक्री का..9

तामील

करने वाले अधिकारी की परीक्षा......... 848

करने के समय और रीति का पृष्ठांकन...................................... 848

का ढंग... 846

की उपधारणा.....................................859

के लिए वादी को समन का दिया जाना 845

जहाँ प्रतिवादी किसी अन्य राज्य में निवास करता है वहाँ समन की.................................... 286

जहां प्रतिवादी भारत के बाहर निवास करता है और उसका कोई अभिकर्ता नहीं है 851

विदेशी समनों की............................. 286

तामील प्रतिवादी

के कुटुम्ब के वयस्क सदस्य पर की जा सकेगी.............................847

तामीली

सम्मन की 341

नोटिस की..444

तिथि

डिक्री की.. 500

ब्याज के प्रवर्तन की............................ 313

तीसरे पक्षकार

का अभियोजन 804

द

दर

वाणिज्यिक संव्यवहार ब्याज की...........318

दत्तक ग्रहण
की वैधता 130
दस्तावेज
का पेश किया जाना 976
के आधार पर वादी वाद लाता है या विश्वास करता है, उसका पेश किया जाना 959
के प्रभाव का कथन किया जाना.....865
में साक्ष्य की ग्राह्यता की परीक्षा.....126
दस्तावेजों
का पेश किया जाना 287,1044
की सूची वादपत्र का भाग 975
दावा
कब्जा की वापसी का 510
के नए आधार पर नया अभिवचन.....1058
समायोजन का.....352
सम्पूर्ण होना चाहिए.....812
सम्पूर्ण परिवार के विरुद्ध.....141
प्रतिकूल कब्जे का.....443
निष्कासन का 681
नुकसानी-प्रतिकर की रकम पर ब्याज का 387
दावा याचिका
के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन पत्र 1048
दावाकृत सम्पूर्ण अनुतोष
में प्रतिवादी का हितबद्ध होना आवश्यक नहीं है.....760
दाखिल किया जाना
एक ही अनुतोष की मांग करने वाली याचिका का एक से अधिक व्यक्तियों के द्वारा.....802
दायित्व
प्रतिभू का.....390
प्रत्याभूति कर्ता का.....421
दायित्व —क्रमशः
डिक्री के निष्पादन में विधिक प्रतिनिधि का..... 391
पैतृक सम्पत्ति का.....402
दान पत्र
का प्रभाव.....155
दानविलेख
का निष्पादन.....386
द्वितीय वाद
में शेष वाद विषयों पर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता है 818
द्वितीय अपील
का खारिज किया जाना 583
का किसी भी अन्य आधार पर न होना..... 602
का निरस्तीकरण 590
की पोषणीयता 20
में उच्च न्यायालय का तथ्यों को निर्धारण करने की शक्ति 604
में संशोधन नहीं 940
में हस्तक्षेप 539
में नयी दलीले स्वीकार नहीं की जा सकती 366
दोषारोपण
उपेक्षा एवं निष्क्रियता का.....503
दोषी वादी
के नाम से वाद.....804
दोषमार्जन
विलम्ब का 501
निर्देश आवेदनपत्र को दाखिल करने में विलम्ब का 323
दुकान
का बही खाता पेश करना.....960
दुर्घटनाजन्य प्रतिकर
का न्यायनिर्णयन.....65

दुरुपयोग
न्यायालय की प्रक्रिया का.....746
दूसरी संविदा
का आरोपण.....315
दूसरे वाद
में दाखिल अपील का प्रथम अपील पर प्रभाव.....54
दण्डादिष्ट किया जाना
डिक्रीत-रकम की अदायगी न होने के कारण निर्णीत-ऋणी की गिरफ्तारी की जानी तथा उसे सिविल कारावास से.....352
दण्डादेश
खर्च का.....321

ध

धारा
का लागू होना.....748
धारा 11 एवं आदेश 23 नियम 1 (3) में
अन्तर.....149
धारा 47
के अधीन तब तक किसी आदेश को उलटा न जाना या उपान्तरित न किया जाना जब तक मामले के विनिश्चय पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है.....522
धारा 60(1) (क)
के अपवर्जित प्रवर्ग के अधीन आने वाले व्यक्तियों द्वारा आवासीय मकान के संबंध में बंधक का निष्पादन हो जाता है.....422
धारा 85 और धारा 86
का लागू होना.....457
धारा 141
की प्रायोगिकता.....715
धनराशि
का संदाय.....375
का प्रत्युद्धरण.....349
धन
का संदाय.....349
की वसूली के लिए वाद.....1032
की वसूली हेतु वाद.....508
की डिक्री के निष्पादन में स्त्रियों की गिरफ्तारी या निरोध का निषेध.....405
के संदाय की डिक्रियों के निष्पादन में भूमि के विक्रय के बारे में नियम बनाने की राज्य सरकार की शक्ति.....430
सम्बन्धी क्षेत्राधिकार.....219
डिक्री के विरुद्ध अपील.....509
धनीय वाद
अभिवचन एवं सबूत के बीच भिन्नता.....952
धनीय डिक्री
का निष्पादन.....427
पर ब्याज का अधिनिर्णय.....318

न

न मंजूर किया जाना
वाद का स्थगन.....78
नए तथ्यों
का विशेष रूप से अभिवचन करना होगा.....1034
नवीन साक्ष्यों
का पूर्व निर्णय पर प्रभाव.....625
नामित न्यायमूर्तियों
द्वारा वाद की सुनवाई.....519

निरसन
अनुज्ञप्ति का 565
निरस्तीकरण
द्वितीय अपील का 590
डिक्री का 17
निष्पादन आवेदन का 353
निरोध
की अवधि 408
निर्णीत ऋणी का 369
निवास-गृह
में सम्पत्ति का अभिग्रहण 427
निर्वचन
संविदा का 566
डिक्री का 370
में न्यायालय विधानमण्डल के आशय का अनुमान लगाने के लिए स्वतन्त्र नहीं है 651
निर्वाचक अधिकारी
का क्षेत्राधिकार 323
निर्वाचन अर्जी
की पोषणीयता 974
निष्कर्ष
उच्च न्यायालय द्वारा प्रतिप्रेषण का आदेश एक ही मुकदमेबाजी के अंतर्वर्ती प्रक्रम पर निकाला गया 167
निष्कासन
का दावा 681
निषेध
धन की डिक्री के निष्पादन में स्त्रियों की गिरफ्तारी या निरोध का 405
निषेधात्मक व्यादेश
की डिक्री 726
निकाला जाना
प्रतिकूल टिपणियों का 752
निष्पादिकता
बेदखली की डिक्री की 387
निष्पादित
करने योग्य आदेश 330
निष्पादक न्यायालय
की शक्तियाँ 347
निष्पादन
व्यतिकारी राज्यक्षेत्रों के न्यायालयों द्वारा पारित डिक्रियों का 342
कराने की न्यायालय की शक्तियां 392
का समपहरण 375
का स्थगन नहीं 380
का स्थगन 497
का प्रतिरोध 432
के सन्दर्भ में आपत्ति 376
के चरण पर आपत्ति स्वीकृत नहीं 146
खर्चों के अभिनिश्चय के पूर्व डिक्री का 695
संयुक्त डिक्री का 381
स्थानान्तरण पर न्यायालय का अधिकार 339
विदेशी डिक्री का 344
विदेशी न्यायालय की डिक्री का 343
जिन स्थानों पर इस संहिता का विस्तार नहीं है, वहां के सिविल न्यायालयों द्वारा पारित डिक्रियों का 342
डिक्री का 15
दानविलेख का 386
धनीय डिक्री का 427
बन्धक डिक्री के अधीन विक्रय डिक्री का 415

निष्पादन—क्रमश:

भारत के बाहर डिक्रियों का 344

में कुर्क सम्पत्ति एवं उनका विक्रय 416

में बेची जाने वाली संपत्ति की सीमा 383

निष्पादन एवं आय

का वर्जन 332

निष्पादन आवेदन

का निरस्तीकरण................................ 353

निष्पादन कार्यवाही

का स्थगन 380

की वैधता 386

निष्पादन कार्यवाहियों

के परिणाम का प्रमाणित किया जाना 337

में प्रतिकर में वृद्धि की ईसा................ 381

निष्पादन कब

डिक्री का 376

निष्पादन न्यायालयशब्द और अर्थ

की अधिकारिता 334

निष्पादन न्यायालय

का क्षेत्राधिकार 350

की शक्ति...362

निष्पादन-विक्रय

के आगमों का डिक्रीदारों के बीच आनुपातिक रूप से वितरित किया जाना................................. 431

निस्तारण

आवेदन पत्र का 470

प्रथम अपील का 518

निगरानी

वाद की 471

में विलम्ब-प्रभाव 745

निग्रहण

भागिता की सम्पत्ति का 369

निक्षेप

कम न्यायालय फीस के........................730

निचली न्यायालयों

द्वारा एक ही निष्कर्ष की विधिमान्यता.................................562

निर्णीत ऋणी

का अर्थ..22

का निरोध..369

कब विबन्धित नहीं 97

निर्णय

का शून्य घोषित किया जाना................379

का कारण सहित दिया जाना आवश्यक.....................................501

का पुनःविलोकन.................................715

कारणों से रहित.................................290

के कारणों का उल्लेख किया जाना चाहिए................................501

दिये जाने में अत्यधिक विलंब का प्रभाव 289

निदेश

खंड न्यायपीठ के निर्णयों का 520

निर्देश

आवेदनपत्र को दाखिल करने में विलम्ब का दोषमार्जन...................323

उच्च न्यायालय को...............................618

सिविल प्रक्रिया संहिता और अन्य विकसित अधिनियमितियों के प्रति.............. 758

माध्यस्थम को 61

निर्धारण

क्षेत्राधिकार का..................................471

ब्याज की दर का 295

निपटारा
प्रथम अपील का 515
न्यायालय के बाहर विवाद का 460
पंचाट का 242
निर्योग्यता
के अधीन व्यक्तियों द्वारा सहमति
या करा 726
नियम
प्रक्रिया का 218
बनाने की अन्य उच्च न्यायालयों
की शक्ति..................................... 704
बनाने की उच्च न्यायालय की
शक्तित्त्का विस्तार 704
बनाने की कुछ उच्च न्यायालयों
की शक्ति.......................................697
नियमों
का अनुमोदन के अधीन होना............ 704
का प्रकाशन 705
नोटिस
का अभाव प्रभाव 448
का अभाव.. 57
का उद्देश्य 445
का भेजा जाना अनिवार्य 446
को पूर्णरूप से पढ़ा जाना चाहिए.........445
की तामीली पूर्णतया साबित की
जानी चाहिए...............................1107
की तामीली 444
कब अनुध्यात नहीं 471
जारी न किए जाने का प्रभाव..............467
में सभी विशिष्ट बातों का उल्लेख
किया जाना आवश्यक है.............. 447
नौसैनिकों
पर तामील 854
नीलामी क्रेता
का हक 429
नुकसानी
के लिए वाद..................................... 1011
नुकसानी प्रतिकर
की रकम पर ब्याज का दावा 387
नया वाद
संस्थित करने के विरुद्ध बाधा............1120
नया तर्क
अनुज्ञेय 7नहीं 615
न्यास
के संदर्भ में वाद 469
का प्रशासन....................................... 468
न्यास विलेख
का संशोधन...58
न्यासधारी
की नियुक्ति के लिए वाद................... 467
न्यायिक अधिकारी
के विरुद्ध कटु आलोचना का
निकालना 752
न्यायिक प्रासंगिकता
समझौते की.......................................488
न्यायिक विवेकाधिकार
का प्रयोग करने में तात्विक
अनियमितताात्त्हस्तक्षेप................... 691
न्यायिक मस्तिष्क
का प्रयोग...310
न्याय शुल्क
का अभाव...999
न्याय संगत अनुतोष
सम्पूर्ण अनुतोष का 141
न्यायालय
विनिर्णय पूर्व-न्याय के रूप में
सम्बन्धित पक्षकार के विरुद्ध
प्रवर्तित नहीं होता........................204
का कर्तव्य...370

न्यायालय ---क्रमश:

का स्वविवेकाधिका 935

का प्रतिदाय 461

का विवेक 1064

को कमीशन 433

को समन भेजा गया है उसका कर्त्तव्य...850

की राय के लिए मामले का कथन करने की शक्ति.................... 461

की अंतर्निहित अधिकारिता के अभाव और क्षेत्रीय अधिकारिता के अभाव में प्रभेद 257

की अधिकारिता 1060

की अधिकारिता का अवधारण............ 220

की अन्तर्निहित शक्ति 746

की अन्तर्निहित शक्तियों की व्यावृत्ति....................................... 731

की उसको संबोधित करने के लिए किसी लीडर से अनुरोध करने की शक्ति.............................763

की कार्यवाही में राय देने या भाग लेने के लिए किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय को अनुज्ञात करने की शक्ति..........762

की सक्षमता 279

की प्रकृति 264

की प्रक्रिया का दुरुपयोग......................746

के अन्तर्निहित शक्ति का अवधारण.....................................752

के कार्यलोप का प्रभाव 379

के बाहर विवादों का निपटारा............459

संयुक्त पक्षकारों में से एक या अधिक के पक्ष में या उनके विरुद्ध निर्णय दे सकेगा.................760

न्यायालय ---क्रमश:

से मामले को दूसरे न्यायालय में अंतरित करने का आधार 280

द्वारा शक्ति का प्रयोग..........................314

द्वारा अनुमान 566

द्वारा अपेक्षित लिखित कथन को उपस्थित करने में पक्षकार असफल रहता है तब प्रक्रिया 1038

द्वारा डाले गये वित्तीय दायित्व का प्रवर्तन 353

प्रतिवादी या वादी को स्वयं उपसंजात होने के लिए आदेश दे सकेगा 843

में आवेदन किया जाए........................265

में किराये के निक्षेप के लिए आवेदन पत्र 715

न्यायालय शुल्क

का संदाय..681

की कमी को पूरा करने के लिए अनुज्ञा प्रदान करने की न्यायालय की शक्ति......................730

में कमी-प्रभाव 614

न्यायालय और अधिकरण

के बीच विभेद.....................................24

न्यायालय फीस

का संदाय किया जाना 698

न्यायालयों

की अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं अनिश्चित हैं वहाँ वाद के संस्थित किए जाने का स्थान 224

की अधिकारिता 232

की अधीनस्थता 23

की डिक्रियों के निष्पादन में कुर्क की गई सम्पत्ति............................427

न्यायाधीश
का निर्णय एवं अपील की विधिमान्यता 592
न्यायाधीशों
के लिए मार्गनिर्देशक तत्व 4
न्यायोचित्य
वाद की खारिजी के आदेश का 329
न्यायनिर्णयन
दुर्घटनाजन्य प्रतिकर का 65

प

पश्चात्वर्ती वाद
का स्थगन 78
में स्थगन आदेश 69
में पूर्व न्याय के रूप में प्रवर्तित हंगे पश्चात्वर्ती वाद का विचारण करने के लिए सक्षम नहीं था 207
पश्चात्वर्ती
वाद का क्षेत्र एवं विस्तार 142
पश्चात्वर्ती निर्णय
में प्राड्न्याय का संचालन 143
पश्चात्वर्ती मामले
का विचारण 74
परीक्षा
साक्षियों की 434
दस्तावेज में साक्ष्य की ग्राह्यता की 126
परीक्षण
क्षेत्राधिकार का 566
पक्षकार
उस दिन उपसंजात होंगे जो प्रतिवादी के उपसंजात होने और उत्तर देने के लिए समन में नियत हैं 1069
पक्षकार —क्रमशः
का अधिवक्ता कथन करने की शक्ति 838
का अधिष्ठायी अधिकार 1012
का अपीलीय अधिकार 520
का गैर-अभियोजन का प्रभाव 803
का जोड़ा जाना 801
स्वयं उपसंजात होने के लिए तब तक आदेश नहीं किया जाएगा जब तक कि वह किन्ही निश्चित सीमाओं के भीतर निवासी न हो 843
के रूप में अभियोजन के लिए आवेदन-पत्र की पोषणीयता 804
द्वारा आवेदन 278
बनाया जाना 361
बेदखली के वाद के लिए आवश्यक 586
पक्षकारों
का आशय 244
का अभियोजन 799
का संयोजन 639
का प्रतिस्थापन 939
पक्षान्तरण करना
अपीलार्थी के रूप में प्रत्यर्थी का 804
पक्षीय डिक्री
का अपास्त किया जाना 508
पंचाट
का निपटारा 242
पारस्परिक सहमति
द्वारा विवाह विच्छेद की डिक्री के विरुद्ध अपील वैधानिकता 490
पोषणीयता
राज्य के विरुद्ध अनुतोष की मांग करने वाला वाद की 439
रेलवे के विरुद्ध सिविल वाद की 439

पोषणीयता —क्रमशः
वाद की 471
विवाह-विच्छेद याचिका के स्थानांतरण के लिए आवेदन-पत्र की..... 266
सिविल न्यायालय में लम्बित वाद को डी0 आर0 टी0 में स्थानांतरण के लिए आवेदन पत्र की 253
द्वितीय अपील की 20,529
पक्षकार के रूप में अभियोजन के लिए आवेदन-पत्र की.....804
पुनरीक्षण की 660
माध्यस्थम् अधिनिर्णय के निष्पादन को चुनौती की.....386
यथापूर्व स्थिति के प्रत्यावर्तन आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण याचिका की 722
यथापूर्व स्थिति के प्रत्यावर्तन के के लिए आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण याचिका की..... 722
लेटर्स पेटेंट अपील की.....602

परिवार
के वयस्क सदस्य पर समन की तामीली 860

परिवर्तन
अधिवक्ता का 698

परिसीमा
उच्च न्यायालय के अधिकार की..... 563
से सम्बन्धित अन्तर्निहित शक्ति 740

परिसीमा विधि
से छूट के आधार..... 956

परिधि
पुनरीक्षण अधिकारता के प्रयोग की.....642

परिभाषा
डिक्री पारित करने वाले न्यायालय की.....330
विदेशी राज्य और शासक की.....456

पढ़ा जाना
नोटिस को पूर्णरूप से 445

पुष्टि
उच्च न्यायालय द्वारा डिक्री की 380

पुनःविलोकन
निर्णय का.....715

पुनरीक्षण
उच्च न्यायालय की अधिकारिता 685
की अधिकारिता 640
की पोषणीयता 660
कब नही? 664
कमीशन जारी करने के लिए आवेदनपत्र को नामंजूर करने के आदेश के विरुद्ध..... 680

पुनरीक्षण अधिकारता
के प्रयोग की परिधि 642

पुनरीक्षण न्यायालय
का क्षेत्राधिकार..... 670

पुनर्स्थापन
कब्जे का.....720

पुनर्प्राप्ति
कब्जे की.....365

पुनर्विलोकन
का आधार 626
की अनुज्ञेयता 627

पुनर्मूल्यांकन
उच्च न्यायालय द्वारा साक्ष्य का.....583
साक्ष्यों का 589

पुनर्याचिका
में प्राङ्न्याय लागू 106

पूर्व निर्णय
का सिद्धान्त लागू होना 217
पूर्व न्याय
का लागू होना 97
का सिद्धांत 156
मामले की पुनःपरीक्षा अनुज्ञेयता 210
का सिद्धांत 165
के प्रश्न का प्रारंभिक विवाद्यक के रूप में विनिश्चय करने से इंकार करने वाले आदेश के विरुद्ध अपील नहीं की जा सकती 177
वादपत्र को खारिज करने का आधा 210
पूर्व न्याय के सिद्धांत
माध्यस्थम् कार्यवाहियों को उसी प्रकार लागू होते हैं जिस प्रकार वे न्यायालयों की कार्यवाही में होते हैं 195
पूर्ववर्ती रिट याचिका
में किया गया विनिश्चय पूर्वन्याय के रूप में 189
पूजा के अधिकार
में हस्तक्षेप 55
पृथक् आधार
पर आधारित अनुतोष 956
पृथक् आधारों
पर आधारित प्रतिरक्षा या मुजरा 1037
पृथक्करण
सम्पदा का विभाजन या अंश का 402
पृथक विचारण
का आदेश करने की न्यायालय की शक्ति 759
का आदेश देने की न्यायालय की शक्ति 806
पेश किया जाना
दस्तावेजों का 287
पैतृक सम्पत्ति
का दायित्व 402
प्रशासन
न्यास का 468
प्रशासन-पत्रों
की मंजूरी के लिए याचिका दाखिल करने में विलम्ब 702
प्रश्न
उत्तरदायित्व का 498
विशुद्ध विधि का 73
तथ्य एवं विधि का 59
प्रलक्षित प्राङ्न्याय
का तात्पर्य 155
प्रवासी
हिन्दू कुटुम्ब एवं हिन्दू विधि की प्रयोज्यता 601
प्रवृत्त
सक्षम न्यायालय द्वारा किया गया विनिश्चय पूर्वन्याय के रूप में 168
प्रवर्तन
प्रतिभू के दायित्व का 723
विधिक प्रतिनिधि के विरुद्ध डिक्री का 401
न्यायालय द्वारा डाले गये वित्तीय दायित्व का 353
प्रवर्तनीयता
डिक्री की 497
प्रवर्तित नहीं
न्यायालय अपनी अधिकारिता पूर्व-न्याय के रूप में सम्बन्धित पक्षकार के विरुद्ध 204
प्रकृति
न्यायालय की 264

प्रकाशन

विक्रय उद्घोषणा का.....502

नियमों का.....705

प्रकटीकरण

और उसके सदृश बातों के लिए आदेश करने की शक्ति.....286

प्रस्तुत किया जाना

समय के विस्तार के लिए आवेदन-पत्र का.....728

प्राङ्न्याय

की वर्जना.....132

के सिद्धान्त का सम्बन्ध.....137

के सिद्धान्त का प्रभाव.....498

प्राप्ति

कब्जे की.....570

प्राधिकार

का प्रयोग.....403

प्रोत्साहन बोनस मजदूरी

का भागरूप होती है प्रोत्साहन बोनस 'मजदूरी' का भाग रूप नहीं है जो कि देश की विधि के प्रतिकूल है.....163

प्रोबेट

के लिए कार्यवाही रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी के अभियोजन.....804

प्रायोगिकता

धारा 141 की.....715

प्रक्रिया

न्याय की सेविका है.....771

अपीली डिक्रियों और आदेशों की अपीलों में.....616

का अनुसरण.....497

का नियम.....218

के अनुसरण में त्रुटि.....668

प्रक्रिया —क्रमशः

सामान्य नागरिक एवं राज्य सरकार के बीच विवाद नोटिस की.....446

से भिन्न विषयों के संबंध में नियम बनाने की अन्य उच्च न्यायालयों की शक्ति.....706

सम्बंधी विधि का उद्देश्य.....915

स्थगन की.....72

जहाँ गिरफ्तार किया जाने वाला व्यक्ति या कुर्क की जाने वाली सम्पत्ति जिले से बाहर है वहाँ.....710

प्रक्रिया संबंधी विधि

का उद्देश्य.....947

प्रतिरक्षा

का काट दिया जाना.....953

का नया आधा.....1037

प्रतिरोध

निष्पादन का.....432

प्रतिवादियों

को समन.....285

के संयोजन से पृथक विचारण का आदेश देने की शक्ति.....759

के रूप में कौन संयोजित किए जा सकेंगे.....759

के रूप में सम्मिलित किया जा सकेगा स्त्रीधन की वापसी के लिए वाद.....802

प्रतिवाद

रक्षा करने के लिए इजाजत की आवश्यकता.....469

प्रतिवादी

तामील का प्रतिग्रहण करने से इंकार करे या न पाया जाए, तब प्रक्रिया.....848

उपसंजात होता है वहां प्रक्रिया.....1072

प्रतिवादी —क्रमशः

का उन दस्तावेजों को पेश करने का कर्तव्य, जिनके आधार पर उसने अनुतोष का दावा किया है या जिन पर उसने विश्वास किया है 1033

की उपसंजाति के लिए दिन नियत किया जाना....843

की उपसंजाति....1059

के विरुद्ध एकपक्षीय डिक्री को अपास्त करना 1072

के विरुद्ध एकपक्षीय डिक्री 834

के हित और दायित्व का दर्शित किया जाना.... 956

स्थगित सुनवाई के दिन उपसंजात होता है और पूर्व अनुपसंजाति के लिए अच्छा हेतुक दिखाता है वहां प्रक्रिया.....1071

द्वारा प्रतिदावा 1036

किसी अन्य राज्य में निवास करता है वहाँ समन की तामील 286

तामील का प्रतिग्रहण करने से इंकार करे या न पाया जाए, तब प्रक्रिया....868

प्रतिकूल

'प्रोत्साहन बोनस' मजदूरी का भागरूप होती है प्रोत्साहन बोनस 'मजदूरी' का भाग रूप नहीं है जो कि देश की विधि के....163

प्रतिकूल कब्जा

का गठन....54

प्रतिकूल कब्जे

का दावा....443

प्रतिकूल टिपणियों

का निकाला जाना....752

प्रतिकर

अपर्याप्त आधारों पर गिरफ्तारी, कुर्की या व्यादेश अभिप्राप्त करने के लिए....478

का विनिर्धारण 31

प्रतिकरात्मक खर्चे

मिथ्या दावों-बचावों में....326

मिथ्या या तंग करने वाले दावों या प्रतिरक्षाओं के लिए.... 324

प्रतिस्थापित तामील

का अर्थ.... 860

प्रतिप्रेषण

वाद का....569

प्रतिनिधियों

द्वारा या उनके विरुद्ध कार्य-वाहियां 724

प्रतिदावा

का उद्देश्य....1056

का हक 1044

की प्रकृति 1054

प्रतिदावे

का अपवर्जन 1037

का उत्तर देने में वादी द्वारा व्यतिक्रम....1037

का कथन किया जाना....1036

की पोषणीयता 1066

के संशोधन की अनुज्ञेयता 953

प्रतिदाय

न्यायालय का....461

प्रतिभू

का दायित्व....390

के दायित्व का प्रवर्तन 723

प्रथम अनुसूची

में के नियमों का प्रभाव 697

प्रथम अपील
का निपटारा 515
प्रदान किया जाना
करार द्वारा क्षेत्राधिकार का 244
प्रदूषित-प्रभाव
हिबा-विल एवज कपट एवं दुर्व्यवपदेश के कारण.....594
प्रेसिडेंसी नगरों
से बाहर महाधिवक्ता की शक्तियों का प्रयोग.....475
प्रभाव
वादी द्वारा वाद का गलत वर्णन का..... 521
व्यादेश का अपील पर 494
अन्तर्निहित अधिकारिता का..... 222
अपील प्रस्तुत करने में विलम्ब 567
खर्चे के संदाय न किए जाने का..... 365
संहिता का अनुपालन नहीं.....446
साक्षियों की सूची प्रस्तुत करने में असफलता का 288
क्षेत्राधिकार को हटाने का करार..... 248
प्राडन्याय के सिद्धान्त का.....498
प्रथम अनुसूची में के नियमों का.....697
किरायेदार के विरुद्ध एक पक्षीय आदेश 647
निर्णय दिये जाने में अत्यधिक विलंब का 289
दान पत्र का.....155
दूसरे वाद में दाखिल अपील का प्रथम अपील पर.....54
नवीन साक्ष्यों का पूर्व निर्णय पर 625
नोटिस का अभाव 448
प्रभाव —क्रमश:
नोटिस जारी न किए जाने का..... 467
न्यायालय शुल्क में कमी 614
न्यायालय के कार्यलोप का.....379
पक्षकार का गैर-अभियोजन का.....803
पूजा के अधिकार में हस्तक्षेप 55
मामले के गुणागुण को न प्रभावित करने वाली अनियमितता का 521
प्रभेद
न्यायालय की अंतर्निहित अधिकारिता के अभाव और क्षेत्रीय अधिकारिता के अभाव में 257
प्रमाणित किया जाना
निष्पादन कार्यवाहियों के परिणाम का 337
प्रत्यावर्तन आदेश
को चुनौती 565
प्रत्यास्थापन
के लिए आवेदन 715
धनीय डिक्री का उलट दिया जाना 723
प्रत्याहृत करना
आदेश को.....333
प्रयोग
अन्तर्निहित शक्तियों का..... 220
अपीलीय अधिकारिता का..... 588
उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों का..... 738
स्वविवेक का 559
स्वविवेकाधिकार का..... 287
क्षेत्राधिकार का.....255
प्राधिकार का..... 403

प्रयोग —क्रमशः
प्रेसिडेंसी नगरों से बाहर महाधिवक्ता की शक्तियों का.....475
डिक्री के निष्पादन की शक्ति का.....330
न्यायिक मस्तिष्क का.....310
न्यायालय द्वारा शक्ति का.....314
प्रयोज्यता
कम्पनी अधिनियम की.....334
संहिता की.....742
प्रवासी हिन्दू कुटुम्ब एवं हिन्दू विधि की.....601
विदेशी निर्णय की.....211
सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 73 की.....432
ब्याज अधिनियम की.....312
प्रत्याभूति कर्ता
का दायित्व.....421
प्रत्युद्धरण
कब्जा का.....468
धनराशि का.....349
प्रत्युत्तरदाता
का अभिवाक.....217

फ

फेडरल न्यायालयों
की अपीलें.....616

ब

बचाव
करने की अनुज्ञा.....706
के लिए आवेदन-पत्रत्पक्षपात का अभिवचन.....702
बंटवारे
के लिए वाद.....886
बाहर
के न्यायालयों द्वारा निकाले गए समन की प्रेसिडेंसी नगरों में तामील.....850
बाध्यकारी
लम्बित वाद की कार्यवाही पश्चात्वर्ती चरणों पर.....149
बाध्यता
की भागिक पूर्ति.....510
बढ़ोत्तरी
समय में.....727
बढ़ाया जाना
समय का.....726
बन्धक डिक्री
के अधीन विक्रय डिक्री का निष्पादन.....415
बन्धक
के सम्बन्ध में विवाद.....223
बेदखली
का वाद.....590
की डिक्री की निष्पादिकता.....387
के वाद के लिए आवश्यक पक्षका.....586
के लिए वाद.....1011
के लिए वाद.....569
ब्याज
वादकालीन एवं भावी.....319
का आरोपण.....74
का संदाय किया जाना.....301
की वसूली.....313
की संगणना.....294
की दर का निर्धारण.....295
के प्रवर्तन की तिथि.....313
लिखत की तारीख से ऐसी रकम के निविदत्त या आप्त किए जाने तक का.....317

ब्याज —क्रमशः
दर में कमी 308
धन आज्ञप्ति पर 316
मंजूर करने का समय 318

ब्याज अधिनियम
की प्रयोज्यता 312

भ

भरण पोषण
की वसूली 381

भार
सबूत का 141

भारत
के बाहर डिक्रियों का निष्पादन 344

भावी प्रभाव
से संशोधन की अनुमति नहीं 940

भाषा
अधीनस्थ न्यायालयों की 711

भाग
लिखत का समनुदेशक वादहेतुक का 240

भागिक पूर्ति
बाध्यता की 510

भागिता
की सम्पत्ति का निग्रहण 369

भूल
उपेक्षा या असदभाव का परिणाम नहीं है तब माफ करने योग्य है 653

भूमि
के अतिचारी के विरुद्ध कार्यवाही 379

भेद
तथ्य सम्बंधी गलत निष्कर्ष और प्रक्रिया सम्बंधी गलती या त्रुटि में 587

म

महत्व
संहिता में लोकहित का 88

महत्वपूर्ण तथ्य
का अभिकथन अनिवार्य 924

मंजूरी
वाद पूर्व ब्याज की 307
समय के विस्तार की 728
शिक्षात्मक खर्चे की 324

मांग
पर देय वचनपत्र 429

मांग किया जाना
मुवावजा की 646

माध्यस्थम
को निर्देश 61

माध्यस्थम् अधिनिर्णय
के निष्पादन को चुनौती की पोषणीयता 386

माध्यस्थम् कार्यवाहियों
पर लागू होना 4

मानहानि
के वाद में हेतुक आवश्यक तत्व 225

मानहानिकारक सामग्री
का प्रकाशन एवं न्यायालय का क्षेत्राधिकार 227

मान्यता
स्कूल की 57

मान्यताप्राप्त अभिकर्ता
पर आदेशिका की तामील 824
द्वारा या लीडर द्वारा की जा सकेंगी 823

मिश्रित प्रश्न
तथ्य एवं विधि का 148

मिथ्या

करने वाले दावों या प्रतिरक्षाओं के लिए प्रतिकरात्मक खर्चे 324

दावों-बचावों में प्रतिकारात्मक खर्च 326

मियाद

बाद अपील..645

मोटर ट्रैक्टर

की कुर्की 424

सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत कृषि उपकरण नहीं..........414

मामले

का अंतरण...271

का स्थानांतरण...................................285

का प्रतिप्रेषण कर का आदेश किया जा सकता है.........................615

को प्रतिप्रेषित किया जाना................1032

को निर्णीत किया जा चुका है 667

के गुणागुण को न प्रभावित करने वाली अनियमिततात्त्का प्रभाव 521

मुवावजा

की मांग किया जाना 646

का अधिनिर्णय 681

मुद्दा

शोध्य धनराशि पर ब्याज स्वीकृत करने का......................................311

मुख्तारनामा धारक

की शक्तियों का निर्धारण...................821

मुख्तारनामा

के आधार पर रिट याचिका 831

के जरिये साक्ष्य.................................832

लिखित होना चाहिए 831

नोटिस तामीली की उपधारणा............833

मुख्तानामे

के जरिये वाद की अनुज्ञेय 832

मुजरा

की विशिष्टियां लिखित कथन में दी जाएंगी.................................1035

मूल डिक्री

की अपील... 479

के विरुद्ध अपील................................487

मूल याचिका

का आदेश... 285

मूल्य

विषय-वस्तु का.................................. 616

मूल्यांकन

वाद का... 257

अनुतोष का....................................... 219

कम होने पर हस्तक्षेप.........................973

साक्ष्य का 288

मध्यस्थकर्ता

का अर्थ..22

मध्यस्थता

का अर्थ... 460

य

याचिका

वाद के स्थानान्तरण हेतु 264

यथास्थापन

सम्पत्ति का... 719

यथापूर्व स्थिति

के प्रत्यावर्तन आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण याचिका की पोषणीयता 722

र

रकम

के अवधारण में तात्विक अनियमितता 640

राजस्व अधिकरण
का अर्थ 24
के निर्णय की उच्च न्यायालय द्वारा अभिपुष्टि-विनिश्चय वाध्यक 105
राजस्व न्यायालय
की अधिकारिता 56
राज्य
के विरुद्ध अनुतोष की मांग करने वाला वाद की पोषणीयता 439
के विरुद्ध अनुतोष चाहने वाला वाद 802
के न्यायालय को डिक्री का अन्तरण 336
राज्य सरकार
के ऊपर वाद 438
रिपोर्ट
समिति उच्च न्यायालय को 704
रिमाण्ड
किया जाना 601
रियायत
की बाध्यकारी प्रकृति 839
रोक दिया जाना
वाद का 67
रोका जाना
अग्रिम कार्यवाही को 74
सिविल वाद का 78
राय
अपीलीय न्यायालय एवं विवाद्यक की 612
रजिस्ट्रीकृत डाक
से समन की तामीली 856
रजिस्ट्रीकरण
विक्रय विलेख का 224
रेलवे
के विरुद्ध प्रतिकर के लिए दावा सिविल न्यायालय की अधिकारिता 65
के विरुद्ध सिविल वाद की पोषणीयता 439

ल

लम्बित वाद
की कार्यवाही पश्चात्वर्ती चरणों पर बाध्यकारी है 149
लाइसेंस
के नवीनीकरण पर वाद 1093
लागू होना
आदेशों को 330
इस भाग का कुछ उच्च न्यायालयों को ही 694
संहिता का राजस्व न्यायालयों को 25
डी0 आर0 टी0 की क्षेत्रीय अधिकारिता पर सि0 प्र0 सं0 का 223
धारा का 748
पूर्व निर्णय का सिद्धान्त 217
पूर्व न्याय का 97
माध्यस्थम् कार्यवाहियों पर 4
लागू न होना
आरम्भिक सिविल अधिकारिता में उच्च न्यायालयों को उपबन्धों का 696
लोक अदालत
के अधिनिर्णय का स्वरुप 11
लोक न्यासों
की सुरक्षा 469
लोक न्यूसेंस
पर प्रभाव डालने वाले अन्य दोषपूर्ण कार्य 462

लोक मार्ग
पर तिक्रमण को हटाने के लिए वाद 802
लाभ
उपधारणा का 487
लेखा बही
साक्ष्य के रूप में 129
लेटर्स पेटेंट अपील
की पोषणणीयता 602
लम्बनकाल
में परिस्थिति परिवर्तन 659
लिखत
का समनुदेशक वादहेतुक का एक भाग है 240
लिखित कथन
का अंत 1067
का सत्यापन....522
का प्रस्तुत किया जाना....919
को दाखिल करने में हुआ विलम्ब का दोषमार्जन 1052
के अभाव में निर्णय....1067
से संबंधित नियमों का लागू होना....1037
समय से दाखिल किया जाना चाहिए....1049
दाखिल करने की समय-सीमा 90 दिनों के विनिर्दिष्ट समय से परे ग्रहण करने की न्यायालय की शक्ति 1060
दाखिल करने के लिए समय का विस्तार....1066
फाइल करने में असफल रहना 1047
में संशोधन....1052
में विवक्षित स्वीकृति.... 921
आदेशों और सूचनाओं का 715
लीडर
की नियुक्ति हाजिरी के अभाव का प्रभाव....839
की नियुक्ति....824
पर आदेशिका की तामील....827
द्वारा स्वीकृति क्या पक्षकार पर आबद्धकारी होती है 839

व

वक्फ सम्पत्ति
से बेदखली के लिए वाद 66
वकालतनामा
का अनुप्रमाणन 702
वसूली
के लिए वाद.... 1064
ब्याज की.... 313
भरण पोषण की 381
वह न्यायालय
जिसके द्वारा डिक्री निष्पादित की जा सकेगी 332
जिसमें वाद संस्थित किया जाए....217
वर्जन
वाद लाने के स्थान के बारे में आक्षेप पर डिक्री को अपास्त करने के लिए वाद का.... 260
अग्रिम अपील का....586
अतिरिक्त वाद का....210
कुछ अपीलों का 616
का अभिवचन....815
सिविल न्यायालय की अधिका-रिता का.... 53
निष्पादन एवं आय का....332
वर्जना
प्राड्न्याय की....132

वाक्यांश न्यायालय
जिसने डिक्री पारित की....332
वास्तविक कृषक
की अवधारणा....416
वाणिज्यिक संव्यवहार
ब्याज की दर....318
वाद
शरीर या जंगम सम्पत्ति के प्रति किए गए दोषों के लिए प्रतिकर के लिए....225
एवं डिक्री का स्थगन....821
एक लोक मार्ग पर अतिक्रमण को हटाने के लिए....802
एक से अधिक न्यायालयों में संस्थित किए जा सकते हैं उनको अन्तरित करने की शक्ति....264
राज्य के विरुद्ध अनुतोष चाहने वाला....802
राज्य सरकार के ऊपर....438
लाने के स्थान के बारे में आक्षेप पर डिक्री को अपास्त करने के लिए वाद का वर्जन....260
लम्बन के दौरान वस्तु स्थिति में परिवर्तन....928
वक्फ सम्पत्ति से बेदखली के लिए....66
वाद स्थगित किए जाने के लिए....68
व्यादेश हेतु....216
अपंजीकृत भागीदारी फर्म द्वारा....797
विभिन्न न्यायालयों की अधिकारिता के भीतर स्थित स्थावर सम्पत्ति के लिए....224
का रोक दिया जाना....67
का वर्जन....813
का वापस लिया जाना....155
वाद —क्रमशः
का वर्जित होना....380
का अन्तरण....731
का संस्थित किया जाना....313
का संचालन....763
का स्थगन एवं मामले का अंतरण....76
का स्थगन की वैधता....78
का स्थगन न मंजूर किया जाना....78
का स्थानांतरण....216
का प्रतिप्रेषण....1121
का प्रत्यावर्तन....1122
का प्रत्याहरण....819
का फिर से आरम्भ किया जाना....627
का तात्पर्य....136
का पुनः स्थापन....1121
का मूल्यांकन....257
की विरचना....805
की विषय वस्तु एवं वादी का स्वामित्व....638
की विषय-वस्तु स्थावर सम्पत्ति है....955
की निगरानी....471
की पोषणीयता....471
कब्जा हेतु एक किराएदार द्वारा प्रस्तुत किया गया....58
कब्जे के लिए निर्णीत ऋणी द्वारा....366
के अन्तर्गत संपूर्ण दावा होगा....805
के स्थगन न्यायालय की शक्तियां....78
के स्थानान्तरण हेतु याचिका....264
के पक्षकार....468
के बन्द कर दिए जाने का प्रभाव....1037
स्त्रीधन की वापसी के लिए....802
सरकार के विरुद्ध....443

वाद —क्रमशः:

सरकार द्वारा या उसके विरुद्ध 438
खर्च एवं न्यायालय का क्षेत्राधिकार.....12
संस्थित करने का अधिकार 471
संस्थित करने का स्थान..... 242
स्थगित किए जाने के लिए वाद एवं तथ्य समान होने चाहिए.....68
हक की घोषणा के लिए..... 60
गलत वादी के नाम से.....762
हेतुक का उद्भव एवं सुनवाई की अधिकारिता.....230
हेतुक के अभाव का प्रभाव 904
हेतुक भिन्न है पूर्व न्याय लागू नहीं..... 97
घोषणा एवं कब्जे के लिए 801
क्षतिपूर्ति के लिए दावा.....16
विवाह को अवैध घोषित कराने हेतु.....59
विनिर्दिष्ट अनुपालन हेतु.....802
विक्रय करने के मौखिक करार के विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिए 788
विक्रय-विलेख के रद्दीकरण के लिए 66
विदेशी राज्यों के विरुद्ध.....455
विदेशी राज्यों, राजदूतों और दूतों के विरुद्ध.....452
विभाजन के लिए 16
विभाजन हेतु 145
किरायेदार की बेदखली का.....587
दोषी वादी के नाम से 804
धन की वसूली हेतु.....508
न्यास के संदर्भ में 469
न्यासधारी की नियुक्ति के लिए 467
पूर्व ब्याज की मंजूरी.....307
बन्धक मोचन हेतु.....152

वाद —क्रमशः:

बेदखली के लिए.....569
भरण पोषण हेतु.....141
मुकदमेबाजी एवं तनाव कम करने के लिए..... 270
में संशोधन 798

वाद अन्तरण

की अधिकारिता 241

वाद खर्चे

के लिए अपील 328

वाद हेतु

का अभाव-प्रभाव.....992
का प्रकट न होना 973
के सन्दर्भ में आपत्ति.....816

वाद हेतुको

का कुसंयोजन 817

वाद विरचना

के लिए आवश्यक शर्तें 812

वाद बिन्दु

का एक एकात्मक सम्बन्ध 150
का अभिवचन के ऊपर आधारित होना आवश्यक नहीं 935

वादकालीन अन्तरित

का अभियोजन.....803

वादकालीन ब्याज

की मंजूरी.....307

वाद-हेतुकों

का संयोजन..... 806

वादों

एवं अपीलों की संयुक्त सुनवाई 127
का रजिस्टर.....841
का वहाँ संस्थित किया जाना जहाँ विषय-वस्तु स्थित है 221

वादों—क्रमशः

का अन्तरण सन्देह पर आधारित नहीं होना चाहिए....271
का संस्थित किया जाना....285
का समेकन की शक्ति....752
के अन्तरण करने की उच्चतम न्यायालय की शक्ति....281

वाद-बिन्दु

को चुनौती....609

वादी

की सहमति-प्रभाव....808
के विरुद्ध पारित डिक्री नए वाद का वर्जन करती है....1072
समन तामील के बिना लौटने के पश्चात् एक मास तक नए समन के लिए वाद का खारिज किया जाना....1070
द्वारा वाद का गलत वर्णनत्का प्रभाव....521
नया वाद ला सकेगा या न्यायालय वाद को फाइल पर प्रत्यावर्तित कर सकेगा....1069

वादपत्र

हरण984
कब निरस्त किया जा सकता है?....977
के कमजोर शब्दों का लाभ....919
में संशोधन....615
एवं वादहेतुकत्त्आवश्यक शर्तें....808
न्यायालय में उपसंजाति के लिए तारीख नियत करने की न्यायालय की शक्ति....957
का लौटाया जाना....957
का वापस किया जाना....444
का संशोधन तथा पक्षकार का अभियोजन....953
का संशोधन....487

वाद पत्र—क्रमशः

का निरस्त किया जाना....927
की नामंजूरी से नए वादपत्र का उपस्थित किया जाना प्रवारित नहीं होता....959
के नामंजूर किए जाने पर प्रक्रिया....958
द्वारा वाद प्रारम्भ होगा....840
ग्रहण करने पर प्रक्रिया....956
में अन्तर्विष्ट की जाने वाली विशिष्टियां....955
में संशोधन की वैधानिकता....889

वादियों

के रूप में कौन संयोजित किए जा सकेंगे....759

वादियों या प्रतिवादियों

में से एक का अन्यों के लिए उपसंजात होना....763

वाध्यक

राजस्व न्यायालय के निर्णय की उच्च न्यायालय द्वारा अभिपुष्टि-विनिश्चय....105

वापस लिया जाना

वाद का....155

वापस किया जाना

वादपत्र का....444

वायुसैनिकों

पर तामील....854

वरिष्ठ न्यायालय

द्वारा अभिलिखित किये गये निष्कर्षों की बाध्यकारी शक्ति में होना....209

वर्जित

कुछ मामलों में निष्पादन....387

वर्जित होना

वाद का....380

विशुद्ध विधि
का प्रश्न नहीं 73
विशेष अनुमति
की अपील-प्रभाव.....624
विशेष इजाजत
द्वारा पुनरीक्षण एवं उच्च न्यायालय की शक्ति.....647
विरचना
अतिरिक्त विवाद्यक की 509
विलेख
की ग्राह्यता 500
विलम्ब
का दोषमार्जन 501
कारित करने के लिए खर्चा.....327
प्रशासन-पत्रों की मंजूरी के लिए याचिका दाखिल करने में.....702
का सिद्धान्त 323
विलयन
का सिद्धान्त 569
विवाद्यक
का अभाव एवं समन का जारी किया जाना.....975
विवाह
का बातिलीकरण 1121
को अवैध घोषित कराने हेतु वाद 59
विवाह-विच्छेद
की एकपक्षीय डिक्री को अपास्त करना 1120
विवाह-विच्छेद याचिका
के स्थानांतरण के लिए आवेदन-पत्र की पोषणीयता 266
विवाचक
की शक्ति.....315
विवाद
बन्धक के सम्बन्ध में 223
विवेकाधिकार
लिखत की तारीख से ऐसी रकम के निविदत्त या आप्त किए जाने तक का ब्याजमंजूर करने के लिए.....317
विद्यमानता
अधिकारिता के प्रयोग के लिए विधि के सारवान प्रश्न की 570
विषय
जिनके लिए नियम उपबन्ध कर सकेंगे 705
विषय-वस्तु
का मूल्य.....616
विभाजन एवं कब्जा-विपरीत 69
पर विचार करने की अधिकारिता पर आक्षेप.....220
में भिन्नता-वाद स्थगित न किए जाने का आधार 69
विस्तार
अन्तर्निहित शक्ति का 729
नियम बनाने की उच्च न्यायालय की शक्ति का 704
पश्चात्वर्ती वाद का.....142
धारा 1 का.....3
धारा 2 क 8
धारा 14 का.....217
धारा 15 का 218
धारा 16 का 221
धारा 20 का 229
धारा 23 का.....265
धारा 26 का..... 285
धारा 33 का 288
धारा 34 का..... 292
धारा 35 का 320
धारा 37 का..... 331

विस्तार—क्रमशः

धारा 40 का 337
धारा 42 का 339
धारा 44-क का 343
धारा 47 का 347
धारा 49 का 389
धारा 50 का 391
धारा 53 का 402
धारा 55 का 405
धारा 64 का 428
धारा 80 का 482
धारा 86 का 453
धारा 92 का 465
धारा 96 का 481
धारा 97 का 516
धारा 99-क का 522
धारा 100 का 524
धारा 100-क का 585
धारा 103 का 603
धारा 104 का 605
धारा 107 का 610
धारा 114 का 622
धारा 115 का 632
धारा 122 का 697
धारा 141 का 713
धारा 144 का 717
धारा 146 का 725
धारा 148 का 726
धारा 149 का 730
धारा 151 का 732
धारा 152 का 753
आदेश 1 का 765
आदेश 2 का 820
आदेश 3 का 829

विस्तार—क्रमशः

आदेश 5 का 862
आदेश 6 का 870
आदेश 7 का 965
आदेश 8 का 1041
आदेश 9 का 1075

विचारण

का स्थगन 71
का स्थान 246
के स्थान को खुला न्यायालय समझा जाना 755
के प्रारम्भ के पश्चात् लिखित कथन का संशोधन 953
जब तक कि वर्जित न हो, न्यायालय सभी सिविल वादों का 28
पश्चात्वर्ती मामले का 74

विचारण न्यायालय

का समाधान 219
द्वारा सम्पूर्ण साक्ष्य का परीक्षण आवश्यक 600

विचारणीय

प्रश्न अंतर्ग्रस्त होना 510

विशिष्ट अनुतोष

की मांग 1059

विशिष्ट निष्पादन

हेतु वाद का दायर किया जाना 819

विशिष्टियों

का दिया जाना जहां आवश्यक हो........952

विधि

का शासन 146
का सारवान प्रश्न 553
की उपधारणाएं 865
के अतिरिक्त वास्तविक प्रश्न की संरचना 552
में परिवर्तन-प्रभाव 566

विधिक प्रतिनिधि
का अधिकार एवं कार्यवाही....725
का उत्तरदायित्व....421
कौन हो सकता है?....391
कौन नहीं....12
के विरुद्ध डिक्री का प्रवर्तन....401
द्वारा आक्षेप....255
में पति या पत्नी या सन्तान या माता-पिता तो आ सकते हैं....20
विधिक प्रतिनिधियों
को अभिलेख पर लाना....798
विधिमान्यता
एकल न्यायाधीश का निर्णय एवं अपील की....592
आयुक्त रिपोर्ट की....658
अपील में संशोधन की....591
निचली न्यायालयों द्वारा एक ही निष्कर्ष की....562
विनिश्चय
जहाँ कोई अपील दो या अधिक न्यायाधीशों द्वारा सुनी जाए वहाँ....519
विनिर्धारण
प्रतिकर का....31
विनिर्दिष्ट अनुपालन
के लिए वाद एवं डिक्री स्थगन....820
हेतु वाद....802
विभिन्न न्यायालयों
की अधिकारिता के भीतर स्थित स्थावर सम्पत्ति के लिए वाद....224
विक्रीत सम्पत्ति
में निर्णीत-ऋणी का कोई स्वत्व नहीं....430
विक्रय
रकम का प्रत्यास्थापन (वापस किया जाना)....723
करने के मौखिक करार के विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिए वाद....788
की अवैधता....364
तथ्यतः संरक्षक द्वारा अप्राप्तवय की सम्पत्ति का....66
विक्रय विलेख
का रजिस्ट्रीकरण....224
के रद्दीकरण के लिए वाद आदेश II नियम 2 का वर्जन....822
के निष्पादन का सबूत....1066
के निष्पादन के लिए डिक्री....364
के रद्दीकरण के लिए वाद....66
विक्रय उद्घोषणा
का प्रकाशन....502
विदेशों
के अधिकारियों को समन का भेजा जाना....853
विदेशी शासकों
का वादों के पक्षकारों के रूप में अभिधान....456
की ओर से अभियोजन या प्रतिरक्षा करने के लिए सरकार द्वारा विशेष रूप से नियुक्त किए गए व्यक्ति....451
विदेशी राज्य
और 'शासक' की परिभाषाएं....456
कब वाद ला सकेंगे....451
विदेशी राज्यों
राजदूतों और दूतों के विरुद्ध वाद....452
के विरुद्ध वाद....455

विदेशी समनों
की तामील....286
विदेशी डिक्री
का निष्पादन....344
विदेशी निर्णय
की ग्राह्यता....215
की प्रयोज्यता....211
कब निश्चायक नहीं होगा....210
विदेशी निर्णयों
के बारे में उपधारणा....216
विदेशी न्यायालय
की डिक्री का निष्पादन....343
द्वारा जारी कमीशन-एक समीक्षा....435
विदेशी न्यायालयों
द्वारा निकाले गए कमीशन....434
विधायिका
द्वारा हस्तक्षेप नहीं....145
विधायी निकायों
के सदस्यों को सिविल आदेशिका के अधीन गिरफ्तार किए जाने और निरुद्ध किए जाने से छूट....709
विपर्यण
उपपत्ति का....566
विबंध
का लागू होना....821
विभाजन
एवं कब्जा-विपरीत विषय-वस्तु....69
के लिए वाद....16
सम्पत्ति का....316
हेतु वाद....145
विभेद
न्यायालय और अधिकरण के बीच....24
वैध प्रतिनिधियों
के विरुद्ध कार्यवाही....390
वैधानिकता
पारस्परिक सहमति द्वारा विवाह विच्छेद की डिक्री के विरुद्ध अपील....490
वैधता
अर्जन की....61
वाद का स्थगन की....78
निष्पादन कार्यवाही की....386
दत्तक ग्रहण की....130
व्यक्ति
जिस पर तामील की गई है, अभिस्वीकृति हस्ताक्षरित करेगा....868
व्यावृत्ति
अपील के वर्तमान अधिकार की....758
न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की....731
व्यावृत्तियाँ
का अर्थ....24
व्यादेश
का अपील पर प्रभाव....494
की स्वीकृति....568
के लिए वाद....822
प्रादेशिक क्षेत्राधिकार एवं अन्तरिम....741
व्यापार चिन्ह
का अतिलंघन....245
व्यक्ति
का कर्त्तव्य जिसको समन तामील के लिए परिदत्त किया जाए या भेजा जाए....854

व्यक्ति—क्रमशः

विदेशी शासकों की ओर से अभियोजन या प्रतिरक्षा करने के लिए सरकार द्वारा विशेष रूप से नियुक्त किए गए.....451

जिस पर तामील की गई है, अभिस्वीकृति हस्ताक्षरित करेगा 847

व्यक्तियों

की ओर से एक व्यक्ति वाद ला सकेगा या प्रतिरक्षा कर सकेगा.....761

व्यतिकारी

राज्यक्षेत्रों के न्यायालयों द्वारा पारित डिक्रियों का निष्पादन.....342

व्यतिक्रम

के लिए आवेदन-पत्र का खारिज किया जाना.....1067

के लिए शास्ति 288

व्यय

संदाय हेतु अवधि बढ़ाए जाने की शक्ति.....329

श

शक्ति

वादों का समेकन की 752

वरिष्ठ न्यायालय द्वारा अभिलिखित किये गये निष्कर्षों की बाध्यकारी.....209

ग्रहण करने की न्यायालय की.....698

न्यायालय शुल्क की कमी को पूरा करने के लिए अनुज्ञा प्रदान करने की न्यायालय की.....730

न्यायालय की अन्तर्निहित 746

शरीर या जंगम सम्पत्ति

के प्रति किए गए दोषों के लिए प्रतिकर के लिए वाद.....225

शक्तियां

वाद के स्थगन न्यायालय की.....78

शाश्वत व्यादेश

के लिए वाद क्षेत्रीय अधिकारिता 252

शास्ति

व्यतिक्रम के लिए.....288

शासन

विधि का.....146

शोध्य धनराशि

पर ब्याज स्वीकृत करने का मुद्दा 311

शक्ति

साक्ष्य के अंग्रेजी में अभिलिखित किए जाने की अपेक्षा करने की उच्च न्यायालय की 712

वादों आदि के अन्तरण करने की उच्चतम न्यायालय की.....281

व्यय संदाय हेतु अवधि बढ़ाए जाने की.....329

अधीक्षण की.....278

अन्तरण और प्रत्याहरण की.....266

अपनी आरम्भिक सिविल प्रक्रिया के संबंध में नियम बनाने की उच्च न्यायालयों की.....706

उच्च न्यायालय की अन्तरण की.....282

उच्च न्यायालय की.....276

उपशमन का आदेश एवं न्यायालय की.....745

कमीशन निकालने की न्यायालय की 433

केन्द्र सरकार की.....456

संशोधन करने की साधारण.....754

प्रकटीकरण और उसके सदृश बातों के लिए आदेश करने की.....286

प्रक्रिया से भिन्न विषयों के संबंध में नियम बनाने की अन्य उच्च न्यायालयों की 706

शक्ति—क्रमशः

जहाँ अपील संक्षेपतः खारिज की जाती है वहां डिक्री या आदेश का संशोधन करने की.....755

जहां प्रतिवादियों के संयोजन से उलझन या विचारण में विलम्ब हो सकता है वहां पृथक विचारण का आदेश देने की.....759

जो वाद एक से अधिक न्यायालयों में संस्थित किए जा सकते हैं उनको अन्तरित करने की.....264

विशेष इजाजत द्वारा पुनरीक्षण एवं उच्च न्यायालय की.....647

विवाचक की.....315

द्वितीय अपील में उच्च न्यायालय का तथ्यों को निर्धारण करने की.....604

निष्पादन न्यायालय की.....362

नियम बनाने की अन्य उच्च न्यायालयों की.....704

तथ्य-विवाद्यकों का अवधारण करने की उच्च न्यायालय की.....603

धन के संदाय की डिक्रियों के निष्पादन में भूमि के विक्रय के बारे में नियम बनाने की राज्य सरकार की.....430

न्यायालय की राय के लिए मामले का कथन करने की.....461

न्यायालय की अन्तर्निहित.....737

न्यायालय की उसको संबोधित करने के लिए किसी लीडर से अनुरोध करने की.....763

न्यायालय की कार्यवाही में राय देने या भाग लेने के लिए किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय को अनुज्ञात करने की.....762

शक्ति—क्रमशः

न्यायालय-फीस की कमी को पूरा करने की.....729

परिसीमा से सम्बन्धित अन्तर्निहित.....740

पृथक विचारण का आदेश करने की न्यायालय की.....759

शक्तियाँ

अन्तरित डिक्री के निष्पादन में न्यायालय की.....337

अपील न्यायालय की.....347

निष्पादन कराने की न्यायालय की.....392

शून्य होना

कुर्की के पश्चात् सम्पत्ति के प्राइवेट अन्य संक्रामण का.....428

शपथकर्ता

का आह्वान.....287

शपथ-पत्र

के लिए शपथ किसके द्वारा दिलाई जाएगी.....712

पर प्रतिपरीक्षा.....1120

शब्द और अर्थ

शून्य डिक्री.....375

'लोक अधिकारी'.....19

'हक' या 'स्वत्व'.....142

ऋणी-निर्णीत.....351

एकपक्षीय सुनवाई.....1104

एकपक्षीय डिक्री.....323

राजस्व अधिकरण.....24

लोक पूर्त कार्य.....462

लेटर्स पेटेन्ट अपील.....607

वाग्छलपूर्ण प्रत्याख्यान.....1034

वाद मियाद.....444

वादकालीन आदेश.....478

वादकालीन ब्याज.....735

वैकल्पिक उपचार.....60

शब्द और अर्थ—क्रमशः

वैकल्पिक विवाद संकल्प 460
व्यावसायिक शुल्क 312
व्यावृत्तियाँ 24
व्याप्ति 75
व्यादेश हेतु वाद 216
अल्पसंख्यक संख्या 471
असंयोजन या कुसंयोजन 792
असाधारण अनुतोष 477
अस्थाई निषेधाज्ञा 606
अस्थायी व्यादेश 657
आवश्यक विशिष्टियां 941
आवश्यक मुद्दे 819
आज्ञापत्र 344
आदेश वैवेकिक है 787
औद्योगिक विवाद 57
अधिकारिता 42
अधिनिर्णीत मूलधन 314
अभिवचन 864
अधीनस्थ न्यायालय 666
अनुरोध-पत्र 433
अनुकरणीय खर्च 326
अनुपूरक कार्यवाहियां 476
अन्तरण हेतु शर्तें 284
अन्तर्वर्ती आवेदन 862
अन्तःकालीन लाभ 315
अन्तरिती 389
अन्तरिम क्षतिपूर्ति 477
अन्तरिम निषेधाज्ञा 993
अर्न्तराज्यीय मार्ग 141
अपील 249
अपीली आदेश 1066
उदाहरणात्मक प्रतिकर 289
उपचार प्रकृति 668

शब्द और अर्थ—क्रमशः

कुर्की आदेश 367
कार्यवाही 281
कपटपूर्ण मामला 326
कमीशन विधिमान्यता 436
सक्षम न्यायालय 136
संशोधन प्रार्थना पत्र 563
संपूर्ण उन्मुक्ति 456
संयुक्त विचारण 817
साक्ष्य 347
सांविधिक अधिकार 58
सुलहनामा डिक्री 19
सूचना 367
सद्भाविक कार्यवाही 468
सन्युक्त विचारण 787
समझौता आवेदन 495
समझौता करार 353
समझौता डिक्री 381
समझौता याचिका 1093
समान वाद बिन्दु 139
समान पक्षकार 147
समुचित औपचारिकताएं 746
त्रुटिपूर्ण डिक्री 746
क्षतिपूर्ति 722
क्षेत्राधिकार 323
प्रलक्षित प्राङ्न्याय 155
प्रकृति 29
प्रारम्भिक विवाद्यक 1031
प्राकृतिक न्याय 448
प्रादेशिक क्षेत्राधिकार 279
प्रोबेट की ग्राह्यता 216
प्रतिकूल कब्जा 564
प्रतिकूल निष्कर्ष 569
प्रतिप्रेषण आदेश 608

शब्द और अर्थ—क्रमशः

प्रतिनिधि वाद 470
प्रतिदावा 564
प्रतिभूति कार्यवाही 720
प्रथम अपील 505
प्रेसिडेन्सी लघुवाद न्यायालय 27
प्रत्यास्थापन 746
प्रयोज्यता 254
चक्रवृद्धि ब्याज 317
जीवन-निर्वाह भत्ता 406
लिखित कथन 1033
लिपिकीय त्रुटि 667
विवेकाधिकार 503
विवेकाधीन अनुतोष 140
विचारणीय शर्तें 275
विधिक अधिकार 17
विधिक प्रतिनिधि 22
विनिर्दिष्ट प्रत्याख्यान 1065
विनिर्दिष्टतः प्रत्याख्यान 1034
विदेशी डिक्री 343
विभाजन वाद 403
विभाजन हेतु वाद 503
सिविल वाद 2
गिरफ्तारी और निरोध 402
द्वितीय अपील 508
जिला न्यायालय 17
डिक्री 999
निरोध और छोड़ा जाना 406
निरोध 348
निर्वाचन याचिका 951
निर्वचन 275
निषेधाज्ञा डिक्री 334
निष्पादन 334
निगरानी 1057

शब्द और अर्थ—क्रमशः

निगम 252
निर्णीत ऋणी 22
निर्णय और डिक्री 288
निर्णय 18
क्रमपूर्ण वर्णन 151
तत्काल अनुतोष 449
तृतीय पक्षकार 1048
तथ्य सम्बंधी निष्कर्ष 585
दाण्डिक डिक्री 16
धनीय अधिकारिता 26
नवीन अभिवचन 551
नोटिस 280
नैसर्गिक न्याय 216
न्यायालय और अधिकरण 24
पश्चात्वर्ती अभिवचन 1065
परमादेश 1053
पक्षकार बनाया जाना 333
परिसीमा अवधि 862
परिसीमा 16
पुरोभाव्य शर्त 865
पुनरीक्षण अधिकारिता 736
पुनर्स्थापन कार्यवाही 719
पुनर्विलकन 727
पूर्व क्रय 141
पूर्व न्याय एवं विबन्ध 210
पृथक वाद 818
पर्याप्त कारण 498
फेरबदल 865
बेनामी अभिवाक् 1011
ब्याज 290
भविष्य ब्याज 311
माध्यस्थम 460
मान्यताप्राप्त अभिकर्ता 823

शब्द और अर्थ—क्रमशः

मूलधन-तात्पर्य 314
मध्यवर्ती लाभ.....16
मध्यस्थकर्ता.....22
यथास्थिति आदेश 607

स

स्वत्व

की घोषणा और कब्जे के लिए वाद 1007
की घोषणा, कब्जा बरामदगी और ब्यादेश के लिए वाद 936
साबित करना.....509

स्वप्रेरणा

का प्रयोग सतर्कतापूर्वक किया जाना चाहिए..... 277
से वाद का अन्तरण हस्तक्षेपणीय 269
से वाद का स्थानान्तरण 277

स्वरुप

लोक अदालत के अधिनिर्णय का.....11
में परिवर्तन नहीं किया जा सकता 915

स्वामित्व

वाद की विषय वस्तु एवं वादी का.....638

स्वविवेक

का प्रयोग..... 559

स्वविवेकाधिकार

उच्च न्यायालय का 659
का प्रयोग..... 287
न्यायालय का 308

स्वीकृति

ब्यादेश की 568
संशोधन की 328

स्वीकृत नहीं

निष्पादन के चरण पर आपत्ति.....146

स्वयं उपसंजात

होने के लिए आदिष्ट पक्षकार के पर्याप्त हेतुक दर्शित किए बिना गैरहाजिर रहने का परिणाम.....1072

स्कीम

डिक्री का आबद्धीकरण 767

सरकार

को नोटिस से अभिमुक्ति किया जाना 448
के विरुद्ध वाद 443
द्वारा या उसके विरुद्ध वाद..... 438

सरकारी स्थान

(अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 682

सह भागीदार

के ऊपर ब्याज का अधिरोपण 420

सहस्वामी

द्वारा वाद..... 797

सहस्वामी

द्वारा अन्य संक्रामण 485

सहमति डिक्री

के विरुद्ध अपील.....511

सहमति

क्षेत्राधिकार के मुद्दे पर..... 245
डिक्री के विरुद्ध अपील 489

सक्षम नहीं

पश्चात्वर्ती वाद का विचारण करने के लिए..... 207

सक्षम न्यायालय

द्वारा किया गया विनिश्चय पूर्वन्याय के रूप में प्रवृत्त होता है.....168

सक्षमता

न्यायालय की..... 279

संशोधन
वाद पत्र में 615
वादपत्र का 487
कुछ अधिनियमों का 758
करने की साधारण शक्ति 754
की स्वीकृति....328
की चुनौती....940
की मंजूरी 1123
द्वारा नये वादहेतुक का प्रस्तुतीकरण 883
द्वारा भूल सुधार 939
निर्णयों, डिक्रियों या आदेशों का....752
न्यास विलेख का.... 58
विधि के अतिरिक्त वास्तविक प्रश्न की....552
संलग्न दस्तावेज
की अधिमान्यता....656
संव्यवहार
को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत नहीं किया जा सकता है....923
संस्थित किया जाना
वाद का 313
उच्चत्तर न्यायालय में वाद का 218
संगणना
ब्याज की 294
संचालन
वाद का 763
पश्चात्वर्ती निर्णय में प्राङ्न्याय का....143
संविदा
का प्रत्याख्यान....865
का निर्वचन....566
संविदा —क्रमश:
के आधार पर दायी पक्षकारों का संयोजन....761
के अपने भाग का पालन करने के लिए तैयारी एवं रजामंदी 952
के भंग के लिए नुकसानी की वसूली वाद लाने का स्थान.... 1000
का राजस्व न्यायालयों को लागू होना 25
का अनुपालन नहीं प्रभाव 446
का उच्च न्यायालयों को लागू होना 694
की प्रयोज्यता....742
में लोकहित का महत्व 88
में परिसीमा अधिनियम की प्रयोज्यता 1083
संदाय
खर्च का.... 322
धनराशि का....375
न्यायालय शुल्क का....681
संदाय किया जाना
न्यायालय फीस का 698
ब्याज का....301
संक्षिप्त वाद
में पारित एकपक्षीय डिक्री अपीलीय है 578
संधारणीय नहीं?
कुर्की का आदेश कब....401
संबोधित
अप्राधिकृत व्यक्ति न्यायालय को....695
संयोजन
एक ही संविदा के आधार पर दायी पक्षकारों का 761
पक्षकारों का....639

संयुक्त डिक्री
का निष्पादन 381
संयुक्त सुनवाई
वादों एवं अपीलों की 127
सारवान साक्ष्य
की उपेक्षाअपील का आधार..... 601
सारवान प्रश्न
विधि का..... 553
सार्वजनिक न्यास
का अवधारण..... 470
साइप्रस
का सिद्धान्त एवं उसकी प्रयोज्यता..... 472
साक्षी
को समन 288
की परीक्षा हेतु आयोग.....434
का मूल्यांकन 288
की विश्वसनीयता 1011
साक्ष्य
के अंग्रेजी में अभिलिखित किए जाने की अपेक्षा करने की उच्च न्यायालय की शक्ति.....712
साक्ष्यों
का पुनर्मूल्यांकन 589
साक्षियों
की सूची प्रस्तुत करने में असफलता का प्रभाव..... 288
की परीक्षा 434
साधारण
या अन्य अनुतोष का विस्तार क्षेत्र 1012
सामान्य नागरिक
एवं राज्य सरकार के बीच विवाद नोटिस की प्रक्रिया.....446
सौंपा जाना
सम्पत्ति का न्यास को 421
समिति
उच्च न्यायालय को रिपोर्ट करेगी.....704
समितियों
का गठन 703
सीमा
निष्पादन में बेची जाने वाली संपत्ति की 383
सुरक्षा
लोक न्यासों की 469
सुलहनामा
पर हस्ताक्षर.....835
सुधारा जाना
डिक्री का..... 627
सुनवाई
नामित न्यायमूर्तियों द्वारा वाद की 519
सुने जाने
का अधिकार 999
सूचना
देने की आवश्यकता 333
सृजन
अनुतोष का.....503
सेवायत
द्वारा देवता की सम्पत्ति का अन्य संक्रमण 467
सबूत
का भार 141
का भार 420
सैनिकों
पर तामील..... 854
समझौता मामले
में लागू होना 728

समझौते
की न्यायिक प्रासंगिकता 488
समाचार पत्र
क्द्वारा तामील 862
समाज
के उचित प्रबन्धन के लिए दाखिल किया गया वाद 1011
समाधान
विचारण न्यायालय का 219
समायोजन
का दावा 352
समन प्रतिवादी
को यह आदेश देगा कि वह वे दस्तावेजें पेश करे जिन पर वह निर्भर करता है 844
समन
की तामील स्वयं प्रतिवादी पर, अन्यथा उसके अभिकर्ता पर की जाएगी 846
की तामीली 856
के साथ वाद पत्र की प्रतिलिपि प्रेषित किया जाना आवश्यक है 859
के बदले पत्र का प्रतिस्थापित किया जाना 855
साक्षी को..... 288
प्रतिवादियों को 285
प्रतिवादी को सम्बोधित कर जारी किया जाना चाहिए 856
या तो विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए या अंतिम निपटारे के लिए होगा 843
समनों
की तामील, परिणामस्वरूप वहाँ वाद का खारिज किया जाना 1069
से उपाबद्ध वादपत्र की प्रतिलिपि..... 842
समपहरण
निष्पादन का.....375
समय
निरस्त की गयी अपील और एकपक्षीय डिक्री अपास्त करने के लिए आवेदन-पत्र.....1085
का बढ़ाया जाना 726
के विस्तार की मंजूरी.....728
के विस्तार के लिए आवेदन-पत्र का प्रस्तुत किया जाना 728
ब्याज मंजूर करने का.....318
समय सीमा
डिक्री के निष्पादन हेतु आवेदन की 387
सम्पत्ति
कई न्यायालयों की डिक्रियों के निष्पादन में कुर्क की गई 427
का विभाजन..... 316
का न्यास को सौंपा जाना.....421
का यथास्थापन 719
की कुर्की..... 429
जो डिक्री के निष्पादन में कुर्क और विक्रय की जा सकेगी 409
सम्पूर्ण अनुतोष
का न्याय संगत अनुतोष.....141
सम्पूर्ण परिवार
के विरुद्ध दावा 141
सम्पदा
का विभाजन या अंश का पृथक्करण.....402
संव्यवहार वाणिज्यिक प्रकृति के होते हैं 305
सम्बन्ध
प्राङ्न्याय के सिद्धान्त का 137
की तामीली.....341

सत्यापन

अधिवक्ता द्वारा आवेदन का.....522

लिखित कथन का.....522

सिद्धांत

पूर्व न्याय का.....156

पूर्वन्याय का.....165

''उसे उठा सकता और उठाना चाहिए'' का.....151

आन्वयिक प्राङ्न्याय का.....152

सपठित नैसर्गिक न्याय के.....735

प्राङन्याय का.....470

विलयन का.....569

सिविल लोक अधिकारी

पर या रेल कम्पनी या स्थानीय प्राधिकारी के सेवक पर तामील.....853

सिविल वाद

का रोका जाना.....78

का स्थगन.....78

सिविल वादों

का विचारण.....28

सिविल आदेशिका

के अधीन गिरफ्तारी से छूट.....709

सिविल प्रकृति

के वाद में न्यायालय का अधिकार.....55

सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 73

की प्रयोज्यता.....432

सिविल प्रक्रिया संहिता

के प्रति निर्देश.....758

सिविल न्यायालय

की अधिकारिता का वर्जन.....53

की अधिकारिता का अवधारण.....61

सिविल न्यायालय—क्रमशः

की अधिकारिता तथ्यतः संरक्षक द्वारा अप्राप्तवय की सम्पत्ति का विक्रय.....66

की अधिकारिता.....31

में लम्बित वाद को डी0 आर0 टी0 में स्थानांतरण के लिए आवेदन पत्र की पोषणीयता.....253

स्थगन

वाद का.....76

आदेश का.....668

की प्रक्रिया.....72

विचारण का.....71

डिक्री के निष्पादन का.....140

निष्पादन कार्यवाही का.....380

पश्चात्वर्ती वाद का.....78

सिविल वाद का.....78

स्थगन आदेश

पश्चात्वर्ती वाद में.....69

स्थगन नहीं

निष्पादन का.....380

स्थावर सम्पत्ति

के वादों में भारसाधक अभिकर्ता पर तामील.....847

के प्रत्युद्धरण के लिए केवल कुछ दावों का संयोजित किया जाना.....806

के बारे में वाद सम्पत्ति के वर्णन की आवश्यकता.....1032

स्थान

वाद संस्थित करने का.....242

जहाँ न्यायालयों की अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं अनिश्चित हैं वहाँ वाद के संस्थित किए जाने का.....224

विचारण का.....246

स्थानांतरण
वाद का 216
मामले का 285

ह

स्थानान्तरण
स्वप्रेरणा से वाद का 277
हक सम्बन्धी वाद
के विनिश्चय तक बेदखली के लिए वाद के रोके जाने के लिए आवेदन 76
हकवाद
की पोषणीयता 1011
हक
की घोषणा के लिए वाद 60,1012
क्रेता का 429
नीलामी क्रेता का 429
हस्तक्षेप
अधिकारिता सम्बन्धी प्रश्न पर 737
अपील तथ्य के निष्कर्ष में 515
उपपत्ति में 547
द्वितीय अपील में 539
न्यायिक विवेकाधिकार का प्रयोग करने में 691
हकदार कौन?
अनुतोष का 770
हस्तक्षेप नहीं
विधायिका द्वारा 145
हस्तक्षेपणीय
स्वप्रेरणा से वाद का अन्तरण 269
हस्ताक्षर
के ज्ञापन 941
हस्ताक्षरित
किये जाने वाला अभिवचन 953
हटाया जाना
अधिकार का 228
कनाडा से बच्चों को अनाधिकृत रूप से 216
हित
पूर्वाधिकारी होने के कारण संसर्गी होने का दावा करने वाला कोई व्यक्ति पूर्व-न्याय के नियम के विस्तार क्षेत्र के भीतर नहीं आएगा 178
हिन्दू विवाह अधिनियम
की प्रयोज्यता 1120
हिबा
विल एवज कपट एवं दुर्व्यवपदेश के कारण प्रदूषित-प्रभाव 594

क्ष

क्षतिपूर्ति
के लिए दावा 16
क्षेत्र
पश्चात्वर्ती वाद का 142
क्षेत्राधिकार
वाद खर्च एवं न्यायालय का 12
का अपसाहण 248
का प्रयोग 255
का निर्धारण 471
का परीक्षण 566
को हटाने का करार प्रभाव 248
की अधिकता 940
के मुद्दे पर सहमति 245
निर्वाचक अधिकारी का 323
निष्पादन न्यायालय का 350

क्षेत्राधिकार —क्रमशः

न्यायालय का 144

पुनरीक्षण न्यायालय का.....670

मानहानिकारक सामग्री का प्रकाशन एवं न्यायालय का..... 227

क्षेत्रीय अधिकारिता

शाश्वत व्यादेश के लिए 252

त्र

त्रुटिपूर्ण

उचित पक्षकार के अभाव में अपील.....788